राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 09
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
मंगलवार 09 दिसंबर 2025
मूल्य :2 /-

RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 शासन न्यू नोएडा में मुआवजे की दर तय करेगा | पेज 4 अज्ञात युवक की गोली लगने से मौत, आम के बाग में मिला शव | पेज 6 अभिषेक एक साल में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज

संक्षिप्त खबरें

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने सत्येंद्र जैन समेत 14 के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली जल बोर्ड के 4 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट टेंडरों में 17.7 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन समेत 14 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। ईडी के अनुसार, राजा कुमार कुर्रा व सहयोगियों ने फर्जी इनवॉइस व हवाला से 6.73 करोड़ रुपए का अवैध कमीशन दिया। इससे युरोटेक एनवायरनमेंटल प्राइवेट लिमिटेड को 9.96 करोड़ का अनुचित लाभ हुआ। पूर्व सीईओ उदित प्रकाश राय, सदस्य अजय गुप्ता, चीफ इंजीनियर सतीश चंद्रा वशिष्ठ व अन्य ने अपराध की कमाई छिपाई।

पान मसाला पर एक्स्ट्रा टैक्स लगाने का रास्ता साफ

नई दिल्ली। संसद में व्यापक विचार-विमर्श के बाद 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' को मंजूरी मिल गई है। दरअसल, राज्यसभा ने स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 को लोकसभा को लौटा दिया। निचले सदन ने शुक्रवार को इस विधेयक को मंजूरी दे दी। बता दें कि उपकर जीएसटी के अतिरिक्त होगा और पान मसाला निर्माण कारखानों में मशीनों की उत्पादन क्षमता पर लगाया जाएगा। विधेयक पर बहस का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उपकर का उद्देश्य राष्ट्रीय और स्वास्थ्य सुरक्षा की लागत को पूरा करना है।

उत्तराखंड में बर्फबारी, केदारनाथ में तापमान -17

एमपी के इंदौर में ठंड का 10 साल का रिकॉर्ड टूटा; बिहार में शीतलहर-कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। उत्तराखंड के चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ समेत कई जिलों में सोमवार दोपहर को तेज बर्फबारी हुई। पहाड़ पूरी तरह से सफेद नजर आए। पूरे राज्य में सर्दी बढ़ गई है। पहाड़ी इलाकों में आज पाला गिरेगा। बर्फीली हवाओं ने मध्यप्रदेश में सर्दी बढ़ा दी है। प्रदेश के ज्यादातर शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे बना हुआ है। इंदौर में पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। रात में यहां पारा 5.7 डिग्री रहा, जो साल 2015 से 2024 के बीच सबसे कम है।

बिहार में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने मंगलवार को राज्य के कई इलाकों में शीतलहर और कोहरे का अलर्ट जारी किया है। तापमान में 2-3 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है।

'प्राइवेट पार्ट पकड़ना रेप नहीं' कहने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

सीजेआई ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से कहा- ऐसी भाषा न बोलें, जो पीड़ित को डरा दे

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस विवादित फैसले पर सख्त टिप्पणी की, जिसमें कहा गया था कि 'पायजामा का नाड़ा तोड़ना और ब्रेस्ट पकड़ना रेप के प्रयास के आरोप के लिए पर्याप्त नहीं है।' सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा- ? हम हाईकोर्ट के आदेश को खारिज करेंगे और ट्रायल जारी रहने देंगे। हाईकोर्ट ने आरोपियों पर लगे 'अटेम्प्ट टु रेप' के चार्ज को हटाने को कहा था।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने साथ ही कहा- हम सभी हाईकोर्ट के लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी कर सकते हैं। ऐसी टिप्पणियां पीड़ित पर चीलिंग इफेक्ट यानी भयावह प्रभाव डालती हैं। कई बार शिकायत वापस लेने जैसा दबाव भी पैदा करती हैं।

सीजेआई ने स्पष्ट शब्दों में कहा- अदालतों को, विशेषकर हाईकोर्ट को, फैसले लिखते समय और सुनवाई के दौरान ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणियों से हर हाल में बचना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट शोभा गुप्ता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक दूसरे रेप केस की भी जानकारी दी, जिसमें यह कहा गया था कि महिला ने खुद ही मुसीबत को न्योता दिया था, उसके साथ जो भी हुआ है वो उसके लिए खुद जिम्मेदार है। चूंकि रात थी। बावजूद इसके वह उसके साथ कमरे में गई।

एडवोकेट ने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट और राजस्थान हाई कोर्ट ने भी ऐसी टिप्पणियां की हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आज सेशन कोर्ट की कार्यवाही में भी एक लड़की को इन कैमरा (बंद कमरे की) कार्यवाही के दौरान भी परेशान किया गया। इस पर सीजेआई ने कहा- यदि आप इन सभी उदाहरणों का हवाला दे सकते हैं, तो हम दिशा-निर्देश जारी कर सकते हैं।

इंडिगो पर आफत बरकरार

827 करोड़ रिफंड, अभी पहुंचाने हैं 4500 बैग

नई दिल्ली। इंडिगो की उड़ानों पर आफत बरकरार है। व्यवधान उत्पन्न होने के सातवें दिन भी परिचालन पूरी तरह सामान्य नहीं हुआ है। पिछले मंगलवार से सैकड़ों उड़ानें रद करने के बाद कंपनी सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए संघर्ष कर रही है, जिससे लाखों यात्रियों पर प्रभाव पड़ा है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि सोमवार को इंडिगो की लगभग 500 उड़ानें रद की गईं। इस दिन कंपनी ने 1802 उड़ानों का संचालन किया। रविवार को 1650 उड़ानों का संचालन किया गया था। कंपनी आमतौर पर प्रतिदिन 2300 उड़ानों का संचालन करती है।

बेंगलुरु और दिल्ली एयरपोर्ट पर सबसे ज्यादा असर

उड़ानें रद किए जाने का सबसे ज्यादा असर दिल्ली और बेंगलुरु हवाई अड्डों पर पड़ा। दिल्ली में 143 उड़ानें रद की गईं।

इनमें 60 आगमन और 83 प्रस्थान की उड़ानें थीं। बेंगलुरु हवाई अड्डे से 150 उड़ानें रद की गईं। मुंबई और हैदराबाद हवाई अड्डों पर क्रमश : 98 और 112 उड़ानें रद की गईं। वैसे, कंपनी का कहना है कि धीरे-धीरे हालात सामान्य हो रहे हैं। इंडिगो की तरफ से दो दिन पहले बताया गया था कि पांच-सात दिनों में ही स्थिति सामान्य हो पाएगी।

827 करोड़ रिफंड किए, अभी पहुंचाने हैं 4500 बैग

आइएएनएस के अनुसार, सरकार की कड़ी जांच का सामना कर रही इंडिगो ने सोमवार को कहा कि उसने अब तक यात्रियों को 827 करोड़ रुपये रिफंड कर दिए हैं और बाकी रकम 15 दिसंबर तक वापस करने की प्रक्रिया में है। यात्रियों के 9000 लगेज फंसे हुए थे। इनमें 4500 बैग संबंधित यात्रियों तक पहुंचा दिए गए हैं। बाकी 4500 बैग अगले 36 घंटों में पहुंचाने की तैयारी चल रही है। इंडिगो ने यह भी दावा किया कि उसने फंसे हुए ग्राहकों की सुविधा के लिए एक से सात दिसंबर के बीच होटलों में 9500 से अधिक कमरों और करीब 10000 कैब/बसों का इंतजाम किया है।

39 हजार करोड़ रुपये कम हुई बाजार पूंजी

इंडिगो को अपने मनमानेपन का खामियाजा आर्थिक रूप से भी भुगतना पड़ रहा है। बीते सात दिनों में इंडिगो के शेयरों में 17 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। इससे कंपनी के बाजार पूंजीकरण में 4.3 अरब डालर (करीब 38,700 करोड़ रुपये) की कमी दर्ज की गई। सोमवार को कंपनी के शेयरों में 8.28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एक दिसंबर को कंपनी के शेयरों का मूल्य 5790.5 रुपये प्रति इकाई था, जो आठ दिसंबर को घटकर 4926.55 रुपये प्रति इकाई रह गया। एक अन्य घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट के शेयर सोमवार को 4.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 32.50 रुपये प्रति इकाई पर बंद हुए।

दो बाइकों की भिड़ंत के बाद घायल पड़े लोगों को ट्रक ने रौंदा; 4 की मौत

सागर। सागर हाईवे मुख्य मार्ग पर सोमवार की रात करीब सात बजे एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। रूरावन पापेट तिगेला के पास तेज रफ्तार आयसर ट्रक ने सड़क पर गिरे पड़े दो बाईक पर सवार पांच युवकों को रौंद डाला। दोनों बाईकों की आमने सामने हुई भीषण भिड़ंत के बाद सड़क पर गिरे पड़े घायलों को सामने से आ रहे आयसर ट्रक रौंदता हुआ मौके से भाग गया।दोनों बाईकों में इतनी तेज टक्कर हुई कि दोनों बाईक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में दोनों बाइक पर सवार पांच युवकों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, वही गंभीर रूप घायल दो युवकों को बीला पुलिस अपने वाहन से बंडा अस्पताल ले जाते समय चौथे युवक की मौत हो गई। घायल पांचवे युवक को बंडा से सागर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उसकी भी हालत गंभीर बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक और युवक टुकड़ों में बंट गए थे। युवकों के शरीर भीषण रूप से क्षत-विक्षत हो चुका था।

बाबरी जैसी मस्जिद के लिए 11 पेटी चंदा मिला

नोट गिनने की मशीन मंगाई, 93 लाख ऑनलाइन मिले; कल बंगाल के मुर्शिदाबाद में नींव रखी थी

एजेंसी

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को बाबरी जैसी मस्जिद की नींव रखी।

बाबरी विध्वंस की 33वीं बरसी पर इस मस्जिद की आधारशिला रखी गई। कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंच पर मौलवियों के साथ फीता काटकर औपचारिकता पूरी की।

अब इस मस्जिद के लिए जुटाए चंदे का एक वीडियो सामने आया है।

हुमायूं कबीर ने फेसबुक पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें कुछ लोग नोट गिनते नजर आ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि शिलान्यास समारोह में 11 पेटी चंदा इकट्ठा हुआ, जिसे गिनने के लिए 30 लोग और नोट गिनने की मशीन लगानी पड़ी।

हुमायूं का नया ऐलान- फरवरी में 1 लाख लोगों से कुरान पाठ कराएंगे

बंगाल में निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने रविवार को घोषणा की कि वह फरवरी में 1 लाख लोगों से कुरान का पाठ करवाएंगे। इसके बाद ही बाबरी मस्जिद का निर्माण शुरू होगा। हुमायूं ने कहा कि वे जल्द ही एक नई पार्टी बनाएंगे जो मुसलमानों के लिए काम करेगी। वे 135 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा वे ओवैसी की पार्टी के संपर्क में हैं और अलायंस कर सकते हैं।

हैप्पी मॉर्निंग

बाजार में मुन्ना को एक बेहद सुंदर लड़की दिखी
मुन्ना खड़ा होकर बस उसे देखता ही रह गया
तभी लड़की मुन्ना के पास आई और कहा - भईया, दिख तो मैं आंख से भी जाऊंगी,
आप अपना मुंह तो बंद कर लो...

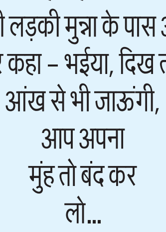

शायरी

गरीबो के भाग्य में अशिक्षा का अन्धकार है,
किस तरक्की की बात करती सरकार है.

अर्थसार

सेंसेक्स:
85,102.69
-609.68 (0.71%)
निफ्टी:
25,960.55
-225.90

मौसम

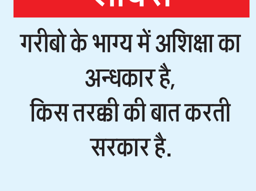

अधिकतम : 24 डिग्री से0
न्यूनतम : 08 डिग्री से0
सूयोदय बुधवार : 7 : 04
सूर्यास्त मंगलवार : 5 : 26

गुजरात में 719 करोड़ की साइबर ठगी का पर्दाफाश, 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली। गुजरात पुलिस ने एक बड़े साइबर फ्राड नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें बैंक कर्मचारी भी शामिल हैं। यह गिरोह अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी में 719 करोड़ रुपये की हेराफेरी में शामिल था।

अधिकारियों के अनुसार, आरोपित के तार दुबई और चीन में बैठे साइबर अपराधियों से जुड़े थे। गांधीनगर स्थित साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र की जांच में सामने आया कि यह गिरोह पूरे देश से होने वाली साइबर ठगी की रकम को फर्जी आधार और पैन से खुले खातों में जमा कराता था, जिसके बाद उसे नकद और क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर दुबई व चीन भेज दिया जाता था।

चोरी की रकम को चेक से निकासी, आनलाइन एप, क्रिप्टो लेनदेन और अंगड़िया के जरिए बाहर भेजा जाता था। आधिकारिक बयान के मुताबिक, पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण के जरिये इस गिरोह का पता लगाया।

26 राज्यों में धोखाधड़ी की वारदात को दिया गया अंजाम

गिरोह द्वारा 26 राज्यों और छह केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 1,594 साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया है। इनमें सबसे ज्यादा 300 मामले महाराष्ट्र के व 203 मामले तमिलनाडु के शामिल हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश में 88 और दिल्ली में 74 लोगों को इस गिरोह ने शिकार बनाया।

विरोध प्रदर्शन

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, डोला सेन और अन्य ने नई दिल्ली में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पश्चिम बंगाल के लिए लंबित केंद्रीय बकाया के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया।

राजनीतिक दल 30 दिनों में अपने नवीनतम पार्टी संविधान की कॉपी करें साझा

नई दिल्ली। चुनावी पारदर्शिता में जुटे चुनाव आयोग ने देश की सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से कहा है कि वे 30 दिनों के अंदर पार्टी संविधान की नवीनतम कापी उनके साथ साझा करें। आयोग ने यह कदम तब उठाया है, जब कई राजनीतिक दलों की ओर से अपने पार्टी संविधान में किए गए बदलाव के बाद भी उनके साथ अब तक कोई जानकारी साझा नहीं कर रहे है। आयोग ने सोमवार को राजनीतिक दलों के दिए गए निर्देश में सुप्रीम कोर्ट की एक याचिका का भी उदाहरण दिया है। जिसमें राजनीतिक दलों के पार्टी संविधान को लेकर सवाल खड़े किए गए है।

एमपी के सिवनी में ट्रेनी प्लेन कैश

बिजली के तारों से टकराकर खेत में गिरा, दोनों पायलट घायल; 90 गांवों की सप्लाई बंद

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी में एक ट्रेनी विमान 33 केवी हाई वोल्टेज बिजली लाइन से टकराकर क्रैश हो गया। हादसा आमगांव में शाम करीब साढ़े 6 बजे हुआ। ट्रेनर पायलट अजित एंथोनी और ट्रेनी पायलट अशोक छावड़ा घायल हो गए हैं। हालांकि, दोनों खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, रेड बर्ड एविएशन कंपनी के ट्रेनी विमान ने सुकतरा हवाई पट्टी से उड़ान भरी थी। लैंडिंग के दौरान बादलपार सब स्टेशन की 33 केवी लाइन के निचले हिस्से से विमान का पंख टकरा गया। टक्कर होते ही तेज धमाका हुआ और तारों से चिंगारियां निकलने लगीं। लहराता हुआ विमान खेत में जा गिरा। लाइन तुरंत ट्रिप हो गई, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई।

धमाका सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। बिजली कंपनी के स्टाफ को फोन लगाया। ग्रामीणों ने ही दोनों पायलटों को अस्पताल पहुंचाया।

टीआई बोले- इंजन में पावर जनरेट नहीं हो रहा था

कुरई टीआई कृपाल सिंह तेकाम ने कहा- प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि विमान के इंजन में पावर जनरेट नहीं हो रहा था। कंट्रोल रूम से संपर्क कर पायलट ने खेत में इमरजेंसी लैंडिंग कराने की तैयारी की थी, लेकिन इसी दौरान विमान बिजली लाइन से टकरा गया।

बिजली विभाग लाइन की मरम्मत में जुटा

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर सुभाष राय ने कहा- तार टूटने से बादलपार और ग्वारी सब स्टेशन क्षेत्र के करीब 90 गांवों में बिजली आपूर्ति बंद हो गई है। स्टाफ मरम्मत कर रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रेड बर्ड एविएशन कंपनी द्वारा सुरक्षा मानकों की लगातार अनदेखी की जा रही है। इसी साल मई में दो बार रनवे पर विमान फिसलने और पलटने की घटनाएं सामने आई थीं। उस समय भी कंपनी पर लापरवाही के आरोप लगे थे। कुछ समय के लिए उड़ान प्रशिक्षण रोका भी गया था।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे

रियल एस्टेट कारोबार में 40 प्रतिशत तक होगा उछाल, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण में इजाफा

एक्सप्रेसवे : दिल्ली से देहरादून का सफर ढाई घंटे में होगा पूरा

देहरादून। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का लंबे समय से इंतजार कर रहे लोगों के लिए 1 दिसंबर एक अहम तारीख साबित हुई है।

210 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे का पहले ही ट्रायल रन शुरू हो चुका है और अभी फिलहाल दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से बागपत (खेकड़ा के पास ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे जंक्शन) तक का 32 किलोमीटर हिस्सा वाहनों के लिए खोल दिया गया है। इस हिस्से में बिना टोल शुल्क के 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से यात्रा संभव है।

उधर, बागपत से सहारनपुर तक निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है,

लेकिन कई हिस्सों में काम अभी भी अधूरा है। निर्माण एजेंसियों के अनुसार, सहारनपुर क्षेत्र में बचा हुआ काम दिसंबर 2025 के अंत तक पूरा हो जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि फरवरी 2026 तक पूरा कॉरिडोर जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

पूरी तरह शुरू होने पर यह 6 लेन एक्सप्रेसवे दिल्ली-देहरादून यात्रा समय को मौजूदा 6 से साढ़े 6 घंटे से घटाकर केवल ढाई घंटे कर देगा। इस परियोजना की विशेष बात यह है कि राजाजी नेशनल पार्क के ऊपर 12 किमी का एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया गया है, जिसमें वन्यजीव पास और सोलर पैनल भी शामिल हैं।

रियल एस्टेट कारोबारियों में खासा उत्साह

एक्सप्रेसवे के पूरी तरह शुरू होने से पहले ही रियल एस्टेट क्षेत्र में नई हलचल देखी जा रही है। पिछले 30 वर्षों से रियल एस्टेट क्षेत्र में कार्यरत बेस्ट डेवलपर्स एंड बिल्डर्स के शारिक ने बताया कि बेहतर कनेक्टिविटी के बाद देहरादून ही नहीं, बल्कि पर्वतीय क्षेत्रों तक पहुंच भी आसान हो जाएगी। उन्होंने दावा किया कि एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद केवल एक वर्ष के अंदर देहरादून की प्रॉपर्टी कीमतों में 32 से 40 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। उनका मानना है कि इससे निवेशकों का रुझान तेजी से बढ़ेगा और पूरे क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि में उछाल आएगा।

प्रियंका का सवाल- वंदे मातरम् पर आज बहस क्यों

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर जारी चर्चा में प्रियंका गांधी ने सवाल पूछा कि ये गीत 150 साल से देश की आत्मा का हिस्सा है। 75 सालों से लोगों के दिल में बसा है। फिर आज इस पर बहस क्यों हो रही है?

मैं बताती हूं- क्योंकि बंगाल का चुनाव आ रहा। मोदी जी उसमें अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। मैं कहूं- मोदी जी अब वह पीएम नहीं रहे जो पहले थे। जहां तक नेहरू जी की बात है। जितने साल मोदी पीएम रहे, उतने साल नेहरू जेल में रहे थे।

इससे पहले चर्चा की शुरुआत पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने वंदे मातरम् के टुकड़े किए। जवाहरलाल नेहरू जिन्ना के सामने झुके थे। वंदे मातरम् आजादी के समय से प्रेरणा का स्त्रोत था तो फिर उसके साथ पिछले दशक में अन्याय क्यों हुआ।

सपा प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव ने कहा, जिस वंदे मातरम् ने आजादी के आंदोलन को जोड़ा, आज के दरारवादी लोग उसी से देश को तोड़ना चाहते हैं। वंदे मातरम् गाने के लिए नहीं, बल्कि निभाने के लिए है।

संपादकीय

इंडिगो संकट : यात्रियों को चुकानी पड़ रही भारी कीमत

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारतीय विमानन क्षेत्र में दिसंबर 2025 का महीना एक काला अध्याय बन चुका है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने नए क्रू ड्यूटी टाइम लिमिट नियमों के पूर्ण कार्यान्वयन के बाद साप्ताहिक आराम की अवधि और नाइट लैंडिंग प्रतिबंधों का पालन न कर पाने के कारण हजारों उड़ानें रद्द कर दीं। 2 दिसंबर से शुरू हुए इस संकट ने 8 दिसंबर तक 3,400 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं, जिससे लाखों यात्री एयरपोर्ट्स पर फंस गए। लेकिन इस कॉरपोरेट लापरवाही की सबसे भारी कीमत आम यात्रियों को चुकानी पड़ रही है – समय, पैसे, मानसिक शांति और कभी-कभी जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों की।

संकट की जड़ : साप्ताहिक आराम की अनदेखी

डीजीसीए के नए FDTL नियमों के तहत पायलटों और क्रू को साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाकर 48 घंटे कर दी गई है, जबकि नाइट ड्यूटी (रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक) प्रति सप्ताह मात्र दो हो सकती है। पहले यह छह थी। यह बदलाव पायलटों की सुरक्षा और थकान कम करने के लिए था, लेकिन इंडिगो जैसी लो-कॉस्ट एयरलाइन, जो दुबली-फुली स्टाफिंग पर निर्भर है, ने वर्षों की खराब मैनपावर प्लानिंग के कारण इसे लागू करने में असफलता दिखाई। नतीजा ? 5 दिसंबर को 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं, और ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (OTP) महज 3.7 प्रतिशत रह गई। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे हब एयरपोर्ट्स पर सबसे ज्यादा मार पड़ी – 6 दिसंबर को मुंबई में 109, बेंगलुरु में 124 उड़ानें कैंसल।

यह संकट सिर्फ तकनीकी नहीं, बल्कि प्रबंधकीय विफलता का प्रतीक है। इंडिगो ने नवंबर में ही 1,232 उड़ानें रद्द की थीं, जिनमें 755 क्रू संबंधी थीं। फिर भी, कंपनी ने पर्याप्त पायलट हायरिंग या रोस्टर एडजस्टमेंट नहीं किया। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स ने इसे लीन मैनपावर प्लानिंग का परिणाम बताया है।

यात्रियों पर पड़ी मार : भारी आर्थिक और भावनात्मक नुकसान

इस संकट की सबसे बड़ी शिकार आम जनता है। दिसंबर पीक वेडिंग सीजन है, जब लाखों लोग शादियों, छुट्टियों या घर लौटने के लिए यात्रा करते हैं। लेकिन उड़ानें रद्द होने से पटना, लखनऊ, गुवाहाटी जैसे शहरों के यात्री सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। एक यात्री ने एएनआई को बताया, जयपुर से लौटने की फ्लाइट 5 दिसंबर को कैंसल हो गई। एयरपोर्ट पर हंगामा मचा, स्टाफ ने काउंटर बंद कर दिया। तीन दिन से रिफंड के लिए ट्राई कर रहा हूं, लेकिन सपोर्ट सिस्टम काम नहीं कर रहा।

आर्थिक झटका : रिफंड में देरी और अतिरिक्त खर्च

इंडिगो ने वादा किया कि कैंसलेशन पर फुल रिफंड 7 दिसंबर शाम 8 बजे तक हो जाएगा। लेकिन एक्स (पूर्व ट्विटर) पर सैकड़ों शिकायतें हैं – PNR L9896D, Q9RYUT, W2YR3Y जैसे मामलों में रिफंड 3-5 दिनों बाद ही दिख रहा है, या ट्रैवल एजेंसी (जैसे मेकमाईट्रिप, क्लियरट्रिप) के कारण आंशिक कटौती हो रही है। एक यात्री ने लिखा, इंडिगो ने सीट चेंज की, पेड सर्विस नहीं दी, फिर रिफंड नहीं दे रही। दूसरी एयरलाइंस के टिकट 4-5 गुना महंगे हो गए, लेकिन सरकार ने 7,500-18,000 रुपये तक फेयर कैप लगाया। फिर भी, होटल, खाना और ट्रेन टिकट का खर्च यात्रियों पर ही आया।

व्यावसायिक और व्यक्तिगत हानि

बिजनेस ट्रैवलर्स को मीटिंग्स मिस हो रही हैं, छोटे व्यापारियों का माल खराब हो रहा। मेडिकल इमरजेंसी वाले मरीज फंस गए। एक पोस्ट में लिखा, शादी के लिए गोवा जा रहा था, अब ट्रेन में 20 घंटे लगेंगे। कुल 10 लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए, जो अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचा रहा – पर्यटन और व्यापार ठप।

मानसिक तनाव और सुविधाओं की कमी

एयरपोर्ट्स पर रातें गुजारनी पड़ रही हैं, बिना खाने-पानी या स्पष्ट जानकारी के। मुंबई और बेंगलुरु में सैकड़ों यात्री काउंटर के बाहर धरना दे रहे। #BoycottIndigo और #IndiGoCrisis ट्रेंड कर रहे हैं।

सरकार और इंडिगो का रुख

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने संसद में कहा, यात्री सर्वोपरि हैं। इंडिगो की मिसमैनेजमेंट के लिए सख्त कार्रवाई होगी। डीजीसीए ने शो-कॉज नोटिस जारी किया और अस्थायी छूट दी – नाइट ड्यूटी और रेस्ट नॉर्म पर। रेल मंत्रालय ने 37 प्रीमियम ट्रेनों में 116 कोच अतिरिक्त जोड़े। इंडिगो का कहना है कि 10-15 दिसंबर तक नॉर्मल ऑपरेशन बहाल हो जाएगा, और 95 प्रतिशत नेटवर्क रिस्टोर हो चुका। लेकिन पायलट यूनियन ने छूट का विरोध किया, इसे सुरक्षा के खिलाफ बताया।

आगे की राह : सबक और सुधार

यह संकट भारतीय विमानन की एकाधिकार समस्या उजागर करता है। इंडिगो का 60 प्रतिशत मार्केट शेयर होने से एक कंपनी की लापरवाही पूरे सेक्टर को प्रभावित करती है। सरकार को न सिर्फ जांच करनी चाहिए, बल्कि मुआवजा नीति सख्त करनी चाहिए – 3 घंटे देरी पर 5,000-10,000 रुपये का कंपनसेशन अनिवार्य। यात्रियों को सलाह : फ्लाइट स्टेटस चेक करें, वैकल्पिक ट्रैवल प्लान रखें।

इंडिगो जैसी कंपनी, जो कभी ऑन-टाइम का प्रतीक थी, अब विश्वास खो रही है। साप्ताहिक आराम का नियम पायलटों की भलाई के लिए था, लेकिन इसकी कीमत यात्रियों को चुकानी पड़ रही। यह समय है कि कॉरपोरेट हितों पर जनहित को प्राथमिकता दी जाए, वरना अगला संकट और बड़ा हो सकता है।

गोवा हादसा : झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्था

- ललित गर्ग -

एक बार फिर एक भीषण आग ने 25 मासूम जिंदगियों को छीन लिया। गोवा के नाइट क्लब में हुई यह त्रासदी केवल आगजनी नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की जड़ता, गैर-जिम्मेदारी और नैतिक पतन की ज्वलंत मिसाल है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही-सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इस तरह से आनंद और उत्सव का स्थल अचानक जीवन समाधि में बदल गया, वह अनेक सवाल हमारे सामने खड़े करता है, क्या हम सीखने की क्षमता खो चुके हैं? क्यों हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजा घोषित होता है, कुछ दिन हंगामा होता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है? पूर्व में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत और अनेक शहरों में समान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। होटल, मॉल, थिएटर, अस्पताल, फैक्ट्री, कोचिंग सेंटर-लापरवाही की आग में झूलसनों वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन हमारी संवेदनशीलता का स्तर छोटा होता जा रहा है। आगजनी की घटनाओं का सिलसिला तो लगातार है, परंतु सुरक्षा मानकों के प्रति हमारी उदासीनता और घोर लापरवाही भी उतनी ही स्थायी है। यह बात स्पष्ट है कि हादसे किसी तकनीकी गलती का परिणाम भर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और राजनीतिक मिलीभगत की देन भी हैं।

गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था गोवा हादसा: झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्थाका गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है। यह घटना विश्व के सामने एक सवाल बनकर खड़ी है-क्या भारत सुरक्षित पर्यटन देश है? क्या यहां गैर-जिम्मेदाराना ढांचे और भ्रष्ट तंत्र के बीच किसी का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है? इस प्रकार के हादसों में दो बड़े चरित्र सामने आते हैं-सरकार की सुस्ती और आयोजकों की लालचपूर्ण मानसिकता। अधिकांश नाइट क्लब, बार, पार्क या मनोरंजन स्थल ऐसे होते हैं जहां प्रवेश शुल्क, अवैध संचालन और आर्थिक लाभ का बड़ा खेल चलता है। इमारतों की मंजूरी, फायर सुरक्षा की अनुमति, बिजली के तारों का रखरखाव, निकास मार्ग-ये सभी चीजें फाइलों में तो दर्ज होती हैं, लेकिन जमीन पर गायब रहती हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता की जगह 'संबंध' और 'सुविधा शुल्क' काम करता है। निरीक्षण के नाम पर औपचारिकता ढहती है और बीते हुए हादसे केवल याद बनकर रह जाते हैं।

नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा।

सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर हम हादसों को नियति क्यों मान लेते हैं? हर घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं-दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, उच्च स्तरीय जांच की जाएगी, मुआवजा दिया जाएगा, लेकिन क्या कभी हमने दोषियों को सजा होते देखा है? कभी किसी अधिकारी को बर्खास्त होते देखा है?

क्या किसी क्लब या होटल की अनुमति स्थायी रूप से रद्द की गई? जवाब अधिकतर 'नहीं' है। यही वह सत्य है जो बताता है कि हमारा समाज हादसे को दुख तो मानता है पर समस्या नहीं मानता। अजीब विडंबना यह है कि हादसे के शिकार गरीब या आम नागरिक होते हैं, लेकिन इस त्रासदी से गुजरी व्यवस्थाओं को कोई चोट नहीं लगती।

वे फिर उठते हैं, नए सजावटी बोर्ड लगा लेते हैं और जनता को फिर से आकर्षित कर लेते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार और मानव-मूल्यों का ह्रास दोनों मिलकर ऐसी घटनाओं को जन्म देते हैं। यह केवल प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि सामूहिक नैतिक ह्रास भी है। आयोजक केवल लाभ देखते हैं; प्रशासन केवल कागजों पर निशान देखता है; समाज घटना को क्षणिक दुख समझकर भूल जाता है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो किसी भी विकसित या उत्तरदायी समाज में जन-स्थलों पर सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। नियमित निरीक्षण, कठोर दंड, मानकों का अनिवार्य पालन और पारदर्शिता बुनियादी तत्व हैं। भारत में ये मानक केवल कानूनी पुस्तकों में रहते हैं। सवाल यह नहीं कि हादसे क्यों होते हैं, सवाल यह है कि सीख क्यों नहीं ली जाती। गोवा का यह हादसा एक चेतावनी है, अकेले गोवा के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए। हम विकास, पर्यटन और आधुनिक जीवनशैली की बात करते हैं, लेकिन सुरक्षा, नियंत्रण और मानवीय संवेदनशीलता को हाशिए पर छोड़ देते हैं। यह घटना बताती है कि यदि व्यवस्था की लापरवाही और लालच के बीच नागरिक की सुरक्षा कुचलती रही तो हम आधुनिक ढांचे बनाकर भी असुरक्षित रहेंगे। किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके नागरिकों की सुरक्षा पर टिकी होती है, न कि केवल चमक-दमक पर।

गोवा घटना ने सरकार की छवि को ध्वस्त किया है। पर्यटन उद्योग की नींव हिलाई है और नागरिक विश्वास को चोट पहुंचाई है। गोवा के जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 16 प्रतिशत से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23 प्रतिशत ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पेश नहीं करती, जहां पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता की कुछ समस्या रही है। यदि घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकनी है तो कुछ कठोर कदम उठाने होंगे, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, वास्तविक निरीक्षण प्रणाली, भ्रष्टाचार पर अंकुश और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर दंड। परंतु दुख यह है कि हमारा इतिहास बताता है, हम कठोर कदम उठाने से बचते हैं। आज इस त्रासदी के बाद शोक जताना पर्याप्त नहीं है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है। हम केवल जिम्मेदारी टाल देने की प्रवृत्ति में नहीं जी सकते। हर हादसा हमें यही याद दिलाता है कि सुरक्षा संस्कृति, जिम्मेदार शासन और नैतिक व्यवसायिक आचरण के बिना कोई भी समाज सुरक्षित नहीं हो सकता। यह घटना केवल 25 लोगों की मौत नहीं, बल्कि चेतावनी है कि यदि हमने नहीं सीखा, तो अगली त्रासदी निकट ही खड़ी है।

हमारे नीति-नियंताओं को यह समझना होगा कि इस तरह की घटनाएं केवल जान-माल को ही क्षति नहीं पहुंचातीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। इस तरह की घटनाएं यही रेखांकित करती हैं कि नया और विकसित बनने के आकांक्षी भारत में नियम-कानूनों की हर स्तर पर उपेक्षा होती है और इस देश में जिम्मेदारी के साथ कोई काम मुश्किल से ही किया जाता है। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं। हमें यह मानना होगा कि जीवन की कीमत केवल शब्दों में नहीं, व्यवस्था में भी झलकनी चाहिए।

जब तक हमारी नीतियों में कठोरता नहीं आएगी, जब तक भ्रष्टाचार की जड़ें नहीं काटी जाएंगी और जब तक नागरिक-केंद्रित शासन स्थापित नहीं होगा, तब तक मनोरंजन के नाम पर मौतें होती रहेंगी। गोवा का नाइट क्लब हादसा केवल आग नहीं-हमारे विवेक, शासन और मानवता की विफलता है। अब यह हमारे हाथ में है कि हम इसे भूलें या इसे परिवर्तन की शुरुआत बनाएं।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3734

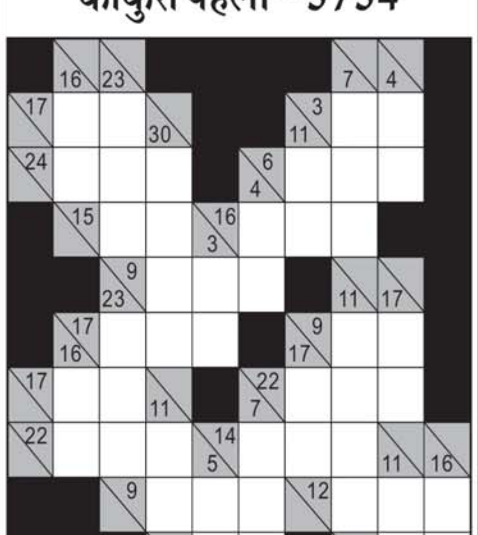

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3733 का हल

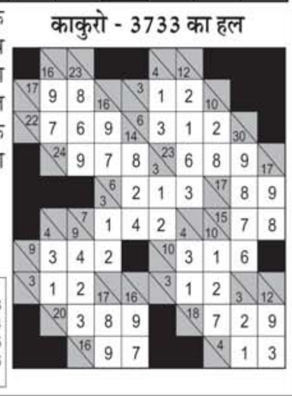

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3734

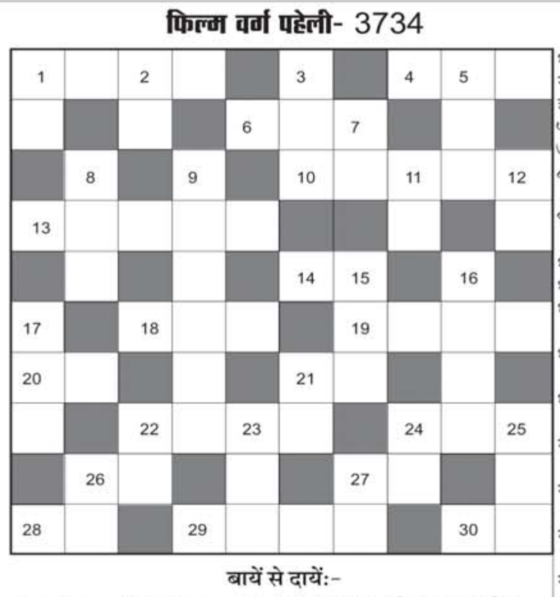

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3733

सूडोकु -3734

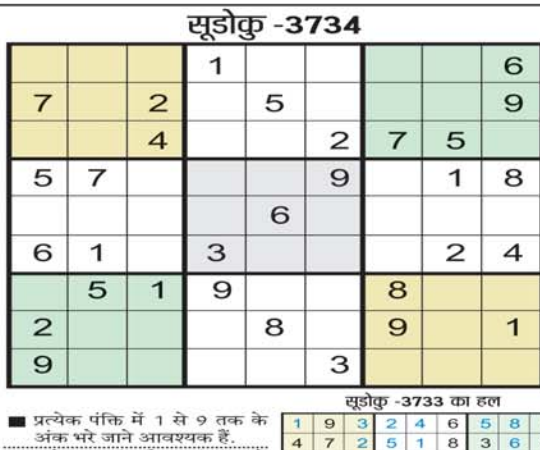

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3733 का हल

शब्द पहेली - 3734

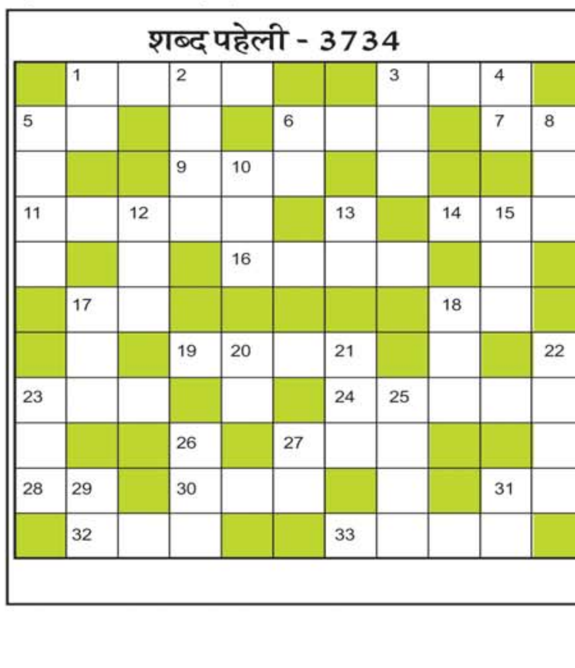

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली - 3733 का हल

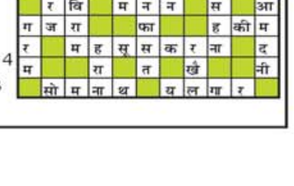

शासन न्यू नोएडा में मुआवजे की दर तय करेगा

प्रस्ताव भेजा गया, 80 गांव की जमीन अधिग्रहीत होनी है

नोएडा। न्यू नोएडा के लिए 80 गांव की जमीन अधिग्रहीत की जानी है। किसानों को किस दर से मुआवजा दिया जाए इस पर जल्द निर्णय होगा। प्राधिकरण ने जेवर क्षेत्र और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जरिए बसाए जाने वाले फेज टू की मुआवजा दरों को नए नोएडा में लागू किया जा सकता है। इसका एक प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया है।

जल्द ही इसको लेकर एक बैठक नोएडा प्राधिकरण में होगी। बैठक में प्राधिकरण के सीईओ , डीएम बुलंदशहर शामिल होंगे।

बुलंदशहर और दादरी के 80 गांवों की जमीन पर दादरी-नोएडा-गाजियाबाद इन्वेस्टमेंट रीजन (न्यू नोएडा) बसाया जाना है।

किसानों से आपसी समझौते के आधार पर जमीन लेने पर दरें क्या रखी जाएं इसको लेकर कुछ दिन पहले नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण की बैठक हुई थी। इस बैठक में अधिकारियों ने यह तय किया था एक ग्रेटरनोएडा के फेज-2 को बसाने में जो मुआवजा दर होगी उसे ही यहां लागू किया जाए। हालांकि प्रस्ताव पर शासन मुहर लगाएगा।

डीएनजीआईआर शहर करीब 209.11 वर्गकिमी में बसाया जाना है। इसके लिए अक्टूबर 2024 में अधिसूचना जारी की गई थी।

80 गांवों की जमीन ली जाएगी

डीएनजीआईआर 80 गांवों की जमीन पर बसाया जाएगा। इसके मास्टर प्लान को चार फेज में पूरा किया जाएगा। 2023-27 तक इसके 3165 हेक्टेयर को विकसित किया जाएगा। इसी तरह 2027 से 2032 तक 3798 हेक्टेयर एरिया को विकसित किया जाएगा। इसके बाद 2032-37 तक 5908 हेक्टेयर और अंत में 2037-41 तक 8230 हेक्टेयर जमीन को विकसित करने का प्लान है। इससे पहले यहां जमीन अधिग्रहण और मुआवजा के लिए रेट तय किए जाएंगे।

प्राधिकरण ने बताया कि नोडल अधिकारी की नियुक्ति के साथ यहां जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया जल्द की जाएगी।

अवैध निर्माण को रोकने के लिए ड्रोन सर्वे और अधिसूचना की तारीख का सेटेलाइट मैप भी लिया जाएगा। उस दिन के बाद यहां जितना भी निर्माण किया गया है या जा रहा है उसे अवैध माना जाएगा।

आपसी सहमति से ली जाएगी जमीन

प्राधिकरण अधिकारी ने बताया कि न्यू नोएडा के लिए जमीन का अधिग्रहण किसानों से आपसी सहमति के आधार किया जाएगा। यहां मुआवजा रेट क्या होगा इस पर विस्तार से चर्चा की गई। हालांकि अभी कोई निर्णायक फैसला नहीं हुआ है। सबसे पहले 15 गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। जबकि न्यू नोएडा को 80 गांवों की जमीन पर बसाया जाएगा। प्रत्येक गांव में करीब 200 किसान परिवार है। यानी कुल 16 हजार किसान परिवार है। जिनके साथ बैठक की जाएगी। पहले फेज में 3165 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है।

लगाए जाएंगे चेतावनी बोर्ड

यहां जमीन अधिग्रहण के साथ ही चेतावनी बोर्ड लगाने का काम शुरू होगा। साथ ही सेटेलाइट के मैप के आधार पर जिन लोगों ने अधिसूचना जारी होने के बाद निर्माण किया उसे अवैध मानते हुए वहां भी बोर्ड लगाए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा : बाजारों से अब रात में उठेगा कूड़ा

प्राधिकरण ने स्वच्छता के लिए शुरू किया विशेष अभियान

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बाजारों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए एक नई पहल की है। सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने रात में कूड़ा उठाने का विशेष अभियान शुरू किया है। इसकी शुरुआत जगत फार्म मार्केट से हुई है।

इस अभियान के तहत अब बाजारों से रात के समय कूड़ा उठाया जाएगा। इससे पहले यह कार्य दिन में होता था। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जगत फार्म मार्केट एसोसिएशन और दुकानदारों के सहयोग से यह व्यवस्था लागू की है। यह पहल फिलहाल जगत फार्म मार्केट में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई है, जिसकी सफलता के बाद इसे ग्रेटर नोएडा के अन्य बाजारों में भी विस्तारित किया जाएगा। इस दौरान ग्रेटर नोएडा मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज गर्ग, उपाध्यक्ष डॉ. सुकेन्द्र यादव और जगत फार्म मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह सहित मुकुल गोयल, हरेंद्र भाटी, डॉ. ईशान और डॉ. केसरी नागर जैसे अन्य दुकानदारों ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने सभी दुकानदारों को डस्टबिन का उपयोग करने और रात में कूड़ा संग्रहण वाहन को ही कूड़ा देने के लिए जागरूक किया। प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने ग्रेटर नोएडा के निवासियों से अपील की है कि वे कूड़े को डस्टबिन में ही डालें और गांवों, सेक्टरों, बाजारों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में प्राधिकरण का सहयोग करें। इस अभियान में प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग से सहायक प्रबंधक गौरव बघेल, स्वास्थ्य निरीक्षक राकेश पाल और सुपरवाइजर ईश्वर नागर, पंकज शर्मा, नवीन शुक्ला भी शामिल रहे।

शार्ट न्यूज

16वें फ्लोर से गिरकर महिला की मौत

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-74 सुपरटेक केपटाउन सोसाइटी में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला 16वें फ्लोर से नीचे गिर गई। गंभीर हालत में उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया वहां डॉक्टरों से उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। परिवार की ओर से अभी तक कोई शिकायत नहीं दी गई है। महिला प्रियंका तिवारी पति के साथ नोएडा के सेक्टर-74 केपटाउन सोसाइटी में रहती थी। पति कृष्ण कुमार पेशे से इंजीनियर है। रविवार रात को महिला कमरे से बालकनी में गई वहां अचानक नीचे गिर गई। मौके पर गार्ड ने परिजन और पुलिस को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद महिला को अस्पताल भेजा गया। अस्पताल के डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया गया। बताया गया कि महिला के सिर में गंभीर चोट लगी थी। जिससे ज्यादा ब्लीडिंग हो गई। इस वजह से उसकी मौत हो गई। महिला ने सुसाइड किया या वो 16वें फ्लोर से गिरी। पुलिस इसकी जांच कर रही है। महिला के पति से पुलिस पूछताछ कर रही है। इस मामले में अब तक परिजनों की ओर से शिकायत नहीं दी गई है।

दनकौर में पड़ोसियों ने मां-बेटे पर किया हमला

छत पर कपड़े सुखाते समय हुई थी कहासुनी, जिम्स में भर्ती

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में रविवार रात मामूली विवाद के बाद पड़ोसियों ने एक महिला और उसके बेटे पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल मां-बेटे को ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता रेखा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि घटना रविवार शाम की है। रेखा अपने घर के सामने वाली छत पर कपड़े सुखा रही थीं, तभी पड़ोसियों ने उनकी गतिविधि पर आपत्ति जताई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। रेखा के अनुसार, कहासुनी जल्द ही विवाद में बदल गई और पड़ोसियों ने लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया। जब रेखा का बेटा बीच-बचाव करने आया, तो हमलावरों ने उसे भी पीटा, जिससे मां-बेटे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। परिवार का आरोप है कि रविवार दोपहर बेटे द्वारा गलती से पड़ोसियों की दीवार पर मिट्टी गिरा देने की बात को लेकर पड़ोसी रंजिश पाले हुए थे और इसी कारण रात में घर में घुसकर हमला किया गया। दनकौर थाना पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

27.50 लाख में बिका यूपी 16 एफएच 0001

नोएडा। नोएडा में यूपी 16 एफएच 0001 नंबर हासिल करने के लिए 27 लाख 50 हजार रुपए खर्च किए। कंपनी AVIORION PRIVATE LIMITED GB NAGAR ने बोली लगाकर ये नंबर हासिल किया। इसके लिए कंपनी ने 7 नवंबर को धरोहर राशि के रूप में 33 हजार 333 रुपए जमा कराए थे। बोली ऑनलाइन लगाई गई थी। कंपनी को नंबर अलॉट कर दिया गया है। ये नंबर यूपी 16स्न॥ सीरीज का है। एआरटीओ नंद कुमार ने बताया कि अब तक के आकर्षक नंबरों के लिए लगाई गई बोली में ये सर्वाधिक है। अब तक नंबर के लिए इतनी बोली किसी ने नहीं लगाई। उन्होंने बताया कि AVIORION PRIVATE LIMITED ने ये बोली लगाई। उन्होंने हाल ही में एक मर्सिडीज बेंज कार खरीदी है। जिसकी कीमत ऑन रोड करीब 3.5 करोड़ है। उन्होंने इस आकर्षक नंबर के लिए अपना नाम रजिस्टर्ड किया था। जिसके बाद बोली लगाकर उन्होंने नंबर अपने नाम अलॉट कराया है।

ग्रेटर नोएडा में बस के ब्रेक फेल

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को एक बड़ा बस हादसा टल गया। गलगोटिया यूनिवर्सिटी के पास यमुना एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर एक बस के ब्रेक फेल हो गए, जिसके बाद वह डिवाइडर से टकरा गई। बस में सवार करीब 50 छात्र सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, यह बस ग्रेटर नोएडा से छात्रों को लेकर गलगोटिया यूनिवर्सिटी जा रही थी। अचानक ब्रेक फेल होने के कारण चालक ने बस को नियंत्रित करने का प्रयास किया और उसे सर्विस रोड की ओर मोड़ा। इसी दौरान बस डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में बस में सवार किसी भी छात्र को गंभीर चोट नहीं आई। हालांकि, टक्कर की चपेट में एक बाइक सवार भी आ गया, जो घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। सभी छात्रों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। हादसे की सूचना मिलते ही दनकौर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि सभी छात्र सुरक्षित हैं और किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को डिवाइडर से हटवाया।

यमुना एक्सप्रेसवे पर गति सीमा करने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर कोहरे के चलते गति सीमा में बदलाव करने की तैयारी है। संभवत‑ यहां 15 दिसंबर से नई गति सीमा लागू हो जाएगी। हालांकि, यमुना प्राधिकरण की ओर से अभी मामले में पत्राचार नहीं किया गया है। बता दें कि यमुना एक्सप्रेसवे पर घने कोहरे के चलते 15 दिसंबर से फेरबदल का अनुमान है। सर्दियों में कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता कम होने से वाहन चलाना मुश्किल हो जाता है। ठंड के कारण सड़कों पर फिसलन रहने से दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे पर गति सीमा कम करने की योजना बनाई है और और इसे 15 दिसंबर से लागू करने पर विचार है।ग्रेटर नोएडा से आगरा तक 165 किलोमीटर लंबे यमुना एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना होने पर घायलों को समय पर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने के लिए समय सारिणी और फोन नंबरों का आदान प्रदान समेत अन्य व्यवस्था है। प्रबंधन ने सर्दियों के चलते हल्के वाहनों के लिए गति सीमा 100 किलोमीटर से घटाकर 75 किलोमीटर और भारी वाहनों के लिए 80 से घटाकर 60 किलोमीटर प्रति घंटे करने की तैयारी है। एक्सप्रेसवे के वरिष्ठ प्रबंधक जेके शर्मा ने बताया कि 15 दिसंबर तक फेरबदल किया जा सकता है, फिलहाल इसके लिए प्राधिकरण के पत्राचार का इंतजार है।

नोएडा के 163 पब बार की जांच शुरू

नोएडा। गोवा के नाइट क्लब में हुए दर्दनाक हादसे के बाद नोएडा के रेस्टोरेंट , पब और बार में चेकिंग अभियान शुरू कर दिया गया है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नर ने बिजली, फायर और आबकारी विभाग की टीम बनाई है। ये टीम नोएडा, ग्रेटर नोएडा के बॉर और पब की जांच कर रही है। अल्टीमेटम दिया जा रहा है कि जो भी कमियां है उसे तत्काल ठीक करा लिया जाए। क्षमता के अनुसार ही पब बार और रेस्टोरेंट में लोगों का प्रवेश दिया जाएगा।

एंट्री एक्जिट और वायरिंग की सघन जांच

शहर में 163 रेस्त्रां बार है। यहां फायर विभाग की टीम ने फाइटिंग इक्विपमेंट्स, रेस्त्रां बार की एंट्री और एग्जिट की जांच की जांच कर रही है। बार की एनओसी की जांच के साथ इलेक्ट्रिक वायरिंग भी देखी जा रही है। सीएफओ प्रदीप चौबे का कहा कि यहां टेंट में बार संचालन की अनुमति नहीं, नियमों की अनदेखी मिलने वालों को नोटिस भेजा जाएगा।

लापरवाही मिलने पर लाइसेंस होगा कैंसिल

हीलाहवाली करने वाले संचालकों के बार लाइसेंस निरस्तीकरण की भी कार्रवाई की जाएगी। 25 दिसंबर और 1 जनवरी के जश्न से पहले सभी को जागरूक किया जा रहा। इलेक्ट्रिक फायर क्रेकर्स का इस्तेमाल न करें इसको लेकर बार संचालकों से बात की जाएगी। फिलहाल ये अभियान लगातार जारी रहेगा। ताकि गोवा जैसी घटना से बचा जा सके।

नोएडा प्राधिकरण निर्माण कंपनी पर लगाएगा 10 करोड़ का जुर्माना

एलिवेटेड में मानकों के अनुसार नहीं लग रहा स्टील, 900 करोड़ का प्रोजेक्ट

नोएडा। नोएडा में बन रहे चिल्ला एलिवेटेड रोड के निर्माण में कुछ महीने पहले निर्माण एजेंसी ने घटिया गुणवत्ता की स्टील का इस्तेमाल किया। नोएडा प्राधिकरण ने स्टील नहीं बदलने पर अब एजेंसी पर 10 करोड़ रुपए जुर्माना लगाने का निर्णय लिया है। परियोजना का अब तक 30 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। सीईओ लोकेश एम ने बताया कि की जुर्माना लगाने की प्रक्रिया की जा रही है।

मानकों के अनुरूप नहीं लगी रही स्टील

प्राधिकरण ने बतौर 10 करोड़ रुपए लगाई जाने वाली धनराशि परियोजना के भुगतान में रोक ली है। इसके अलावा अब निर्माण में लगने वाली स्टील तय कंपनियों की ही लगाई जाएंगी। प्राधिकरण अधिकारियों का कहना है कि यह स्पष्ट कर दिया गया है कि मानकों के अनुरूप चिह्नित कंपनियों के अलावा किसी दूसरी कंपनी की स्टील एलिवेटेड रोड के निर्माण में नहीं लगाने दी जाएगी।

सात बार भेजा गया पत्र

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्यों में तीन स्टील की कंपनियों का चयन कर रखा है। इन कंपनियों में सेल, जिंदल समेत एक अन्य कंपनी है। पूर्व में सेतु निगम ने इन कंपनियों से अलग एक छोटी और कम प्रचारित कंपनी की स्टील को एलिवेटेड रोड के लिए बनाए जा रहे पिलर में इस्तेमाल कर लिया।

इसको लेकर प्राधिकरण का पक्ष है कि यह स्टील स्वीकृत मानकों से निम्न है। इसे निरीक्षण के दौरान पकड़ा गया था। इसके बाद सात बार पत्र भेजकर जवाब मांगा गया। आखिर में 10 करोड़ रुपए बतौर जुर्माना कटौती का निर्णय लिया गया है।

5.96 किमी की है एलिवेटेड

नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम विजय रावल ने बताया कि मानक और गुणवत्ता निगरानी पर लगातार नजर रखी जा रही है। चिल्ला एलिवेटेड रोड दिल्ली के मयूर विहार फ्लाई ओवर को जोड़ते हुए नोएडा के महामाया फ्लाईओवर तक बनाया जा रहा है। यह एलिवेटेड रोड 5.96 किलोमीटर लंबा बनाया जा रहा है। एलिवेटेड रोड बनाने में करीब 900 करोड़ रुपए का खर्च अनुमानित है।

नोएडा प्राधिकरण अवैध निर्माण का डेटा बेस तैयार कर रहा

भू-माफियाओं के नाम होंगे ऑनलाइन, 2000 करोड़ की जमीन करा चुके खाली

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण अवैध निर्माण का दो तरह का डेटा बेस तैयार कर रहा है। एक वो जिसमें वर्तमान में अवैध निर्माण की क्या स्थिति है। जमीन पर निर्माण की फोटो, कितना निर्माण हो चुका है। जमीन का प्राधिकरण में लैंडयूज क्या है। जबकि दूसरा डेटा वो जिसके तहत प्राधिकरण ने अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। यहां चेतावनी बोर्ड लगाए जा रहे है। जिसमें स्पष्ट लिखा है कि ये जमीन प्राधिकरण की है। इन दोनों डेटा बेस को ऑनलाइन किया जाएगा। ताकि नोएडा निवासी जमीन खरीद फरोख्त में ठगी का शिकार न हो।

नोएडा में बड़े स्तर पर अवैध निर्माण हो चुका है। अकेले सलारपुर में ही कई हाराइज इमारत है। लगातार प्राधिकरण इन पर नोटिस लगा रहा है। बावजूद इसके बन चुके फ्लैटों में लोग निवेश कर रहे है। जबकि इन पर एक्शन लिया जाएगा। ऐसे में प्राधिकरण ऑनलाइन डेटा जारी करेगा। जिससे लोगों को पता चल सके कि वो सही जमीन या फ्लैट में निवेश कर रहे है या नहीं।

2000 करोड़ से ज्यादा की जमीन करा चुके खाली

बता दे प्राधिकरण ने जनवरी 2024 से अब तक करीब 23.23 लाख वर्गमीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त किया गया। इस जमीन की लागत 2171 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसके अलावा अभियान निरंतर जारी है। ये जमीन मास्टर प्लान 2031 के अनुसार नियोजित की गई है। यहां प्लानिंग और परियोजनाएं बनाई जानी है। इसके अलावा जमीन अतिक्रमण और अवैध निर्माण को लेकर अब तक 100 से ज्यादा शिकायत दी गई। जिसमें पुलिस स्तर से जांच की जा रही है।

सीपी तक जाएगी एक कॉपी

प्राधिकरण ने बताया कि अवैध निर्माण से संबंधित जो भी एक्शन लिया जाएगा। उस एक्शन की एक कॉपी पुलिस कमिश्नर के पास भी भेजी जाएगी। दरअसल शिकायत करने के बाद कई दिनों तक विभागीय एक्शन नहीं हो पता है। ऐसे में अवैध निर्माण तोड़ने की जानकारी और उसने लिप्त लोगों के एफआईआर संबंधित एक कापी प्राधिकरण सीपी को भी देगा।

भू-माफियाओं को किया जाएगा ऑनलाइन

प्राधिकरण अब भू माफियाओं के नाम भी सामने लेकर आएगा। इन सभी के नाम भी जल्द ऑनलाइन किए जाएंगे।

इसके अलावा जिन लोगों को भू माफियाओं घोषित करने की फाइल डीएम को प्रेषित की जा चुकी है वहां पत्राचार किया जाएगा। ताकि उनके नामों को भी ऑनलाइन कर आम पब्लिक को जानकारी दी सके।

नोएडा में 11 हजार वोल्ट करंट से बच्ची झुलसी

हाथ काटना पड़ा, 8 महीने बाद बिजली विभाग पर केस दर्ज

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के अच्छेजा बुजुर्ग गांव में 13 वर्षीय बच्ची 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बच्ची का एक हाथ काटना पड़ा।

पीड़ित परिवार ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए करीब आठ महीने बाद सोमवार को दनकौर कोतवाली में मामला दर्ज कराया है।

बच्ची जारा 2 अप्रैल को अपने मामा शान मोहम्मद के घर आई हुई थी। परिवार के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब जारा अपनी मौसी के घर की छत पर खड़ी थी। छत के ठीक ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों को उसका एक हाथ काटना पड़ा। इसके साथ ही उसके एक पैर की दो उंगलियां भी काटनी पड़ीं। जारा के मामा शान मोहम्मद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि इस इलाके में घरों के बिल्कुल ऊपर से 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन गुजर रही है। इस लाइन को हटवाने के लिए बिजली विभाग से कई बार शिकायत की गई, लेकिन विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

परिवार का आरोप है कि विभाग की लापरवाही के कारण ही यह हादसा हुआ। करीब आठ महीने बाद बच्ची की मां की शिकायत पर दनकौर कोतवाली में बिजली विभाग के अज्ञात अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

रंगदारी न देने पर महिला के घर में तोड़फोड़

ग्रेटर नोएडा में 14 आरोपियों पर कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र स्थित अट्टा फतेहपुर गांव में एक महिला के घर में तोड़फोड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। महिला ने आरोप लगाया है कि करीब छह महीने पहले 5 लाख रुपये की रंगदारी न देने पर आरोपियों ने उसके घर में घुसकर हमला किया। स्थानीय पुलिस से शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने पर पीड़िता ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर सोमवार को 8 नामजद सहित 14 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पीड़िता रानी ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके पति की मृत्यु करीब 14 साल पहले हो चुकी है। गांव में उनके परिवार की पुश्तैनी आबादी की जमीन है, जिस पर गांव के ही सुनपत, सुलेमान, फरीद, इसराइल, रईस, फिरोज, सोनू और तसीन अवैध कब्जा करना चाहते हैं। इन सभी आरोपियों पर पहले से ही कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रानी के अनुसार, कुछ महीने पहले आरोपियों ने उनसे 5 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। जब उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया, तो आरोपी उनके घर में घुस आए और घरेलू सामान की तोड़फोड़ की। उन्होंने पीड़िता के बेटों नूरहसन और अरबाज के साथ मारपीट भी की। बेटों को बचाने पहुंची रानी के साथ भी धक्का-मुक्की की गई। आरोपी रंगदारी की रकम 10 दिन में न मिलने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

तिकोना पार्क नोएडा मंडपम की तर्ज पर संवारा जाएगा

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ लोकेश एम ने सोमवार को सेक्टर-18 में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सेक्टर को संवारने के लिए किए जाने वाले कार्यों के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने तिकोना पार्क को नोएडा मंडपम की तर्ज पर संवारने के भी निर्देश दिए। सेक्टर के अंदर फुटपाथ खराब मिले। नाली के ऊपर रखे एमएस कवर चोरी मिले। तिकोना के पास व्यवस्था खराब मिली। सीईओ ने चीजों को बेहतर करने के निर्देश दिए हैं। सीईओ ने सेक्टर-18 में नाली, पेड़, मैनहोल और अन्य चीजों को ड्रेन के हिसाब से एक लेवल में करने के निर्देश दिए।तिकोना पार्क के पास लगाई गई स्क्रीन को लगातार चलाने के लिए कहा। यहां पर बेंच में हैज लगाने के लिए कहा गया।

सुंदर भाटी समेत दस को नौ-नौ साल की सजा

ग्रेटर नोएडा। जिला न्यायालय ने गैंगस्टर ऐक्ट के मुकदमे में सोमवार को कुख्यात सुंदर भाटी समेत 10 आरोपियों को नौ-नौ साल की सजा सुनाई। अदालत ने दोषियों पर 20-20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना राशि जमा नहीं करने पर दो-दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। पुलिस के मुताबिक कुख्यात बदमाश सुंदर भाटी समेत उसके गैंग के 10 सदस्यों पर वर्ष 2015 में कासना थाना पुलिस ने गैंगस्टर ऐक्ट में कार्रवाई की थी। पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। अदालत ने केस की सुनवाई करते हुए शासन द्वारा चिह्नित माफिया सुंदर भाटी निवासी घंघोला, सिंहराज निवासी रामपुर माजरा, विकास पंडित निवासी रिठौरी, योगेश निवासी दादूपुर, ऋषिपाल निवासी घंघोला, थाना कासना, बॉबी उर्फ शेर सिंह निवासी खेड़ी भनौता, सोनू निवासी खेड़ी भनौता, यतेन्द्र चौधरी निवासी चिपियाना, अनूप भाटी निवासी साकीपुर और दिनेश भाटी निवासी साकीपुर को दोषी पाते हुए प्रत्येक को नौ-नौ वर्ष के कठोर कारावास और प्रत्येक को 20-20 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।पुलिस के मुताबिक इनमें से पूर्व से ही सात आरोपी जेल में बंद हैं। अदालत में सोमवार को सुनवाई के दौरान जमानत पर जेल से बाहर आए सुंदर भाटी, सिंहराज व रिशिपाल पेश हुए। सजा सुनाए जाने के बाद सिंहराज व ऋषिपाल को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जबकि, सुंदर भाटी सजा पूरी कर चुका है, इसलिए उसे रिहा कर दिया गया। कुख्यात सुंदर भाटी को चार साल पहले पहली बार सजा हुई थी जिला न्यायालय ने सपा नेता हरेंद्र नागर हत्याकांड में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुख्यात बदमाश सुंदर भाटी समेत 12 बदमाशों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, जबकि एक आरोपी को बरी किया गया था। कुख्यात सुंदर भाटी को पहली बार किसी मामले में सजा हुई थी। अदालत ने 25 मार्च 2021 को सुंदर भाटी, योगेश, विकास पंडित, कालू भाटी, दिनेश भाटी, अनूप भाटी, यतेंद्र चौधरी, सोनू, बॉबी उर्फ शेर सिंह, ऋषिपाल, सिंघराज व सुरेंद्र पंडित को दोषी करार दिया था। इसके बाद सुंदर भाटी समेत 12 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने एक लाख अस्सी हजार का जुर्माना भी लगाया था। जबकि एक आरोपी को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया गया था। हालांकि, बाद में इलाहाबाद हाई कोर्ट से सुंदर भाटी को आजीवन कारावास में जमानत मिल गई थी। जेल से बाहर आने के बाद वर्चस्व की जंग छिड़ने की आशंका जगी थी कुख्यात सुंदर भाटी को गौतमबुद्ध नगर की अदालत ने वर्ष 2021 में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके बाद वर्ष 2024 में इलाहाबाद हाईकोर्ट से कुख्यात सुंदर भाटी को जमानत मिल गई थी।

अज्ञात युवक की गोली लगने से मौत, आम के बाग में मिला शव

घटनास्थल से तमंचा व कारतूस बरामद, पुलिस जांच में जुटी

पीलीभीत। कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब मोहल्ला देशनगर स्थित आम के बाग में गोली चलने की आवाज आई। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर देखा तो एक युवक लहूलुहान हालत में मृत पड़ा था। शव के पास तमंचा और कारतूस मिलने से घटना रहस्यमयी हो गई है।युवक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।घटना की जानकारी मिलते ही सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी और कोतवाल सत्येंद्र कुमार पुलिस टीम के साथ बाग पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और मौके से एक खोखा तथा युवक की जेब से तीन जिंदा कारतूस बरामद किए। तमंचा और कारतूस पुलिस ने कब्जे में लेकर फॉरेंसिक टीम को साक्ष्य परीक्षण के लिए भेज दिए। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर विस्तृत जांच की और विभिन्न नमूने एकत्र किए। गोली चलने की दूरी, दिशा और संभावित

परिस्थिति को लेकर तकनीकी रूप से पड़ताल की जा रही है।सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के इलाकों में गुमशुदगी की जानकारी खंगाली जा रही है। उन्होंने कहा कि मामला संदिग्ध है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मामला आत्महत्या है, हत्या है या किसी अन्य कारण से गोली चली है। पुलिस घटना के खुलासे के लिए सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल कॉल डिटेल और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है।

कुशीनगर में खड़े ट्रक में घुसी बाइक, 2 की मौत

उत्तर प्रदेश। यूपी में सोमवार को सीजन का पहला घना कोहरा पड़ा। पीलीभीत, लखीमपुर-खीरी, श्रावस्ती, बलरामपुर, महाराजगंज समेत 20 जिलों में घना कोहरा छाया है। 10 मीटर दूर भी कुछ नजर नहीं आ रहा है। इस बीच कुशीनगर में कोहरे की वजह से बाइक खड़े ट्रक में घुस गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, गोरखपुर, कुशीनगर, मेरठ, गाजियाबाद समेत 35 जिलों में हल्का कोहरा छाया रहा। इन शहरों में विजिबिलिटी 500 मीटर से भी कम पहुंच गई। पश्चिम में अरब सागर की तरफ से हवाएं नमी लेकर आ रहीं हैं। इससे पूर्वी यूपी में शीतलहर और बढ़ेगी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि न्यूनतम पारा 2 डिग्री तक गिरेगा। प्रदेश में रविवार को अयोध्या सबसे ठंडा शहर रहा। पारा 5.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इटावा में 6.6 डिग्री और बलिया में 7.4 डिग्री पारा रहा। मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ों में भी एक-दो दिन में बर्फबारी होने का अलर्ट है। ऐसे में नमी हवाओं के साथ ठंडी हवाएं आएंगी।

अवैध चरस तस्करी में तीन तस्कर गिरफ्तार

दो किलो चरस समेत स्कूटी और मोबाइल बरामद

बरखेड़ा। नशा तस्करी के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत बीसलपुर पुलिस ने सोमवार सुबह तीन तस्करों को गिरफ्तार कर बड़ी कामयाबी हासिल की। पुलिस को मुखबिर से पता चला था कि कुछ तस्कर अवैध चरस की खेप लेकर स्कूटी से गुजरेंगे। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गुप्ता राइस मिल के पीछे दबिश देकर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जावेद उर्फ जावेर निवासी पौटाकिला, नासिर निवासी इस्लाम नगर खटीमा (उत्तराखंड) और हुसैन शेख निवासी मुम्बई (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। इनकी तलाशी लेने पर पुलिस को 2 किलो अवैध चरस, तीन मोबाइल फोन, 6470 रुपये नगद और एक स्कूटी मिली।पुलिस के अनुसार जावेद पहले भी एनडीपीएस एक्ट में जेल जा चुका है और उसका आपराधिक इतिहास दर्ज है। बरामदगी के बाद थाना बरखेड़ा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर तीनों आरोपियों को जेल भेजने की प्रक्रिया पूरी की गई।छापेमारी में शामिल पुलिस टीम ने बताया कि यह गिरोह चरस की सप्लाई करने के लिए विभिन्न प्रदेशों के बीच सक्रिय था। पुलिस ने कहा कि नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

जेठ-देवर ने महिला से मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

पीड़िता की तहरीर पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बीसलपुर। पति की गैरमौजूदगी में महिला से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम परेबा निवासी रामबेटी पत्नी मुकेश कश्यप ने बताया कि उसके जेठ सर्वेश, देवर बब्लू, कमलेश और रामू पुत्रगण भीमसेन ने घर में घुसकर गाली-गलौज की और विरोध करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।पीड़िता ने मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

सेहरामऊ में गन्ने के खेत से मानव खोपड़ी मिलने से सनसनी

पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच तेज की

पीलीभीत। थाना क्षेत्र में उस समय दहशत फैल गई, जब नवदिया दुर्जनपुर गांव के पास गन्ने के खेत में एक मानव खोपड़ी मिली। खेत में काम कर रहे किसानों ने खोपड़ी देखकर तुरंत ग्राम प्रधान व पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षेत्र को घेराबंदी कर सुरक्षित कर लिया।सूचना के बाद फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। टीम ने खोपड़ी

के आसपास मौजूद सभी संभावित सबूतों को एकत्र किया और खोपड़ी को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया है। फॉरेंसिक विशेषज्ञों के अनुसार जांच में खोपड़ी की आयु, लिंग और पहचान संबंधी महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकेंगे। ग्रामीणों के अनुसार, नवदिया दुर्जनपुर निवासी रघुनंदन पुत्र नरायनलाल दीपावली से लापता है। परिजन कई दिनों से उसकी खोज में लगे हैं, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिवारजन इस खोपड़ी को रघुनंदन से जोड़कर देख रहे हैं और आशंका जता रहे हैं कि यह अवशेष उसी का हो सकता है। हालांकि पुलिस का कहना है कि फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है।

थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि गन्ने के खेत से एक हड्डीनुमा खोपड़ी बरामद हुई है। इसे कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण और व्यक्ति की पहचान की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के दायरे को विस्तृत कर दिया है। खोपड़ी मिलने की घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हैं और लोग इसे लापता युवक से जोड़कर देख रहे हैं। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान : जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

पीलीभीत। निर्वाचन नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने गांधी सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने निर्देश दिया कि एसआईआर से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।जिला निर्वाचन अधिकारी ने साफ कहा कि डाटा मैपिंग और उच्चाधिकारियों को भेजी जाने वाली रिपोर्ट में किसी भी प्रकार की त्रुटि नहीं होनी चाहिए, इसके लिए हर बिंदु का पुनरावलोकन अनिवार्य है। उन्होंने ग्राम प्रधान, कोटेदार, पंचायत सचिव और

वार्ड सदस्यों के साथ बैठक कर मतदाताओं के सत्यापन को सुनिश्चित करने के आदेश दिए।उन्होंने यह भी कहा कि अपात्र मतदाताओं को सूची से हटाने और पात्र मतदाताओं के नाम शामिल करने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में एडीएम प्रशासन प्रसून द्विवेदी, नगर मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, डीवीओ, डीआईओएस, सहकारिता विभाग के सहायक निबंधक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

टिकरी सड़क हादसा : घायल युवक के मामले में कार चालक पर मुकदमा दर्ज

बीसलपुर। टिकरी क्षेत्र में 12 नवंबर को हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक के मामले में पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।गांव विचपुरी निवासी किरन देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पति दिनेश कुमार बाइक से टिकरी से घर लौट रहे थे, तभी मोहम्मदपुर भजा निवासी गुड्डू कोहली ने लापरवाही से कार चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में दिनेश गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शौचालय टैंक में गिरने से मासूम की दर्दनाक मौत

बीसलपुर। दियोरिया कोतवाली क्षेत्र में सोमवार दोपहर उस समय दर्दनाक हादसा हो गया, जब खेलते-खेलते 6 वर्षीय मासूम सूर्यान्श पानी से भरे निर्माणाधीन शौचालय टैंक में गिर गया।

सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में मातम छा गया। ग्राम पंचायत दियोहना के पिपरैया गांव के निवासी जितेंद्र ने बताया कि बच्चा दोपहर करीब 12 बजे घर से खेलने निकला था। पड़ोस में शौचालय निर्माण कार्य चल रहा था, जहां पानी से भरे करीब 4 फीट गहरे टैंक में वह किसी प्रकार गिर गया।करीब एक घंटे बाद परिजनों ने जब खोजबीन शुरू की, तो बच्चा टैंक में डूबा मिला। उसे तत्काल एक निजी चिकित्सक के पास ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।मासूम के घर शव पहुंचते ही मातम पसर गया।

बताया जा रहा है कि बच्चे के पिता जेल में हैं, जबकि दादा ईश्वरी प्रसाद गांव के मंदिर में पुजारी हैं। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

शराब के नशे में महिलाओं संग डांस, विरोध पर मारपीट

बीसलपुर। शादी समारोह में महिलाओं के साथ नशे में धुत होकर डांस करने और विरोध करने पर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला दुबे निवासी शिवम् पुत्र सर्वेश कुमार ने बताया कि उसकी बहन की शादी में महिलाएं मंच पर डांस कर रही थीं। इसी दौरान पड़ोस के ही सौरभ, भगवानदास और राजन शराब के नशे में वहां पहुंच गए और महिलाओं के साथ डांस करने लगे।

परिवार के लोगों ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसके भाई, मां और बहन पर हमला कर दिया, जिससे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस को तहरीर दी गई, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सीईआईआर पोर्टल रैंकिंग में झांसी परिक्षेत्र अव्वल जनपदों में जालौन रहा टॉप

ललितपुर। झांसी पुलिस महानिरीक्षक झाँसी परिक्षेत्र के निर्देशन में जनपद जालौन ने द्वारा CEIR पोर्टल पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों का निस्तारण तत्परता से मोबाइल रिकवर करा कर उ0प्र0 के जनपदों की रैकिंग में प्रथम रैंक प्राप्त की आकाश कुलहरि, पुलिस महनिरीक्षक, झांसी परिक्षेत्र, झांसी द्वारा बताया गया कि पुलिस तकनीकी सेवायें मुख्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा CEIR पोर्टल पर प्रतिदिन Login किए जाने एवं

अधिकतम मोबाइल्स की रिकवरी करने के सम्बन्ध में माह नवम्बर 2025 की उपलब्ध कराई गयी रैंकिंग के अनुसार परिक्षेत्र के जनपद झांसी, जालौन एवं ललितपुर के CEIR पोर्टल पर प्राप्त 215 प्रार्थना पत्रों में 87 मोबाइल रिकवर कर सम्बन्धित शिकायतकर्ताओं को सुपुर्द कराए गए जिससे झांसी परिक्षेत्र नें 58.33 फाइनल स्कोर प्राप्त कर परिक्षेत्रों की रैंकिग में प्रथम रैंक प्राप्त किया जिसमें केवल परिक्षेत्र के जनपद जालौन ने पोर्टल पर प्राप्त कुल 117 प्रार्थना पत्रों में 77 हेंडसेट रिकवर कर फाइनल स्कोर 76.07 प्राप्त कर उ0प्र0 की जनपदों की रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पुलिस महनिरीक्षक, झांसी परिक्षेत्र, झांसी द्वारा पुलिस अधीक्षक, जनपद जालौन को प्रथम रैंक प्राप्त होने पर भूरि-भूरि प्रशंसा की गई एवं भविष्य में भी इसी प्रकार तत्परता एवं लगन से कार्य करने हेतु निर्देशत किया गया ।

जनपद झांसी एवं जनपद ललितपुर को CEIR पोर्टल पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में सुधार हेतु निर्देशित किया गया है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं महिलाओं को किया जागरूक

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-05 अभियान के अंतर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की ।आपात स्थिति में सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर्स 1090 वूमेन पावर लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड

हेल्पलाइन , 181 महिला हेल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 स्वास्थ्य सेवा, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन साइबर अपराध से बचाव के लिए निम्न जानकारियाँ दी गई। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें । कभी भी अनजान व्यक्ति को अपना बैंक डिटेल, ओटीपी आदि मांगने पर कभी न दें ।सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानियां बरते ।किसी भी पोस्ट की सच्चाई जाने विना उसे फोरवर्ड व शेयर न करें । अनजान लोगो की फ्रैन्ड रिक्वेस्ट आने पर उसे एक्सेप्ट न करें । कॉल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा दिए गए ऑफर, लालच, या धमकी पर विश्वास न करें ।प्लेस्टोर से जैनुइन ऐप ही डाउनलोड करें, प्लेस्टोर के अलावा कहीं से भी ऐप डाउनलोड न करें ।

मां ने बेटी को जहर पिलाकर खुद भी पीया, मौत

मिर्जापुर। मिर्जापुर में एक मां ने अपनी छोटी बेटी को ग्लूकोज में जहर मिलाकर पिला दिया। फिर खुद भी वही ग्लूकोज पी लिया। हालत खराब होने पर घरवाले दोनों को अस्पताल लेकर गए। वहां दोनों की मौत हो गई। घरवाले दोनों शव लेकर घर आए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को महिला के घर से जहर की शीशी भी मिली है। महिला की जेठानी का कहना है कि उसके देवर अफेयर चल रहा था। जब इसे इस बारे में पता चला तो इसने ऐसा कदम उठाया। मामला रविवार की विंध्याचल थाना क्षेत्र के तिलई मौआर गांव का है।

एसपी ने बुजुर्ग महिला के पास जाकर सुनी समस्या

ललितपुर। जनसुनवाई के दौरान एसपी की दरियादिली देखने को मिली। एक बुजुर्ग महिला अपनी समस्या लेकर आई एसपी कार्यालय पर पहुंची थी। बुजुर्ग महिला को देखकर तुरंत एसपी ने अपनी कुर्सी छोड़कर उनके पास गए और उनकी समस्या सुनी। साथ ही उनकी समस्या का निस्तारण करने का सम्बंधित को निर्देशित किया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा पुलिस कार्यालय में प्रतिदिन की भांति जनसुनवाई की जा रही थी । जनसुनवाई के दौरान एक 80 बर्षीय बुजुर्ग महिला अपनी शिकायत लेकर पुलिस कार्यालय, ललितपुर में आयीं ।उक्त बुजुर्ग महिला को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, ललितपुर द्वारा उनके पास आकर, सर्वप्रथम उसका हाल-चाल पूँछकर सूक्ष्म जलपान कराया गया व उसकी समस्या को गंभीरतापूर्वक सुना गया ।उक्त बुजुर्ग महिला द्वारा शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें उसके पोते द्वारा मकान में निवास करने को लेकर वाद-विवाद किये जाने का विवरण अंकित है ।

शार्ट न्यूज

दहेज हत्या के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। दहेज हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन्हें कोर्ट में पेश किया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक, कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली ललितपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 1403/25 धारा 85,80,352 बीएनएस व ड्डीपी एक्ट में वांछित अभियुक्तगण दीपक दुबे पुत्र ज्वाला प्रसाद दुबे उम्र करीब 27 वर्ष ज्वाला प्रसाद पुत्र स्व0 वृन्दावन दुबे उम्र करीब 65 वर्ष कुसुम देवी पत्नी ज्वाला प्रसाद दुबे उम्र करीब 60 वर्ष समस्त निवासीगण मुहल्ला चौकाबाग थाना कोतवाली ललितपुर को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तगण को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।गिरफ्तार करने वाली टीम उ. नि. प्रशान्त राणा कां. अमित राजपूत कां. देवेन्द्र कुमार म. कां. सुमिरन आदि शामिल रहे।

डीएम ने प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाली जीबीसी-5.0 के लिए जनपद से 6 हजार करोड़ के लक्ष्य प्राप्ति हेतु अधिकारियों के साथ की बैठक

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने सोमवार को कलैक्ट्रेट सभागार में ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 के लिए जिले के विभिन्न लाईन विभागों के साथ बैठक कर जनपद के निर्धारित लक्ष्य 6 हजार करोड़ से भी अधिक की प्राप्ति हेतु अलग-अलग सेक्टरों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए। जिलाधिकारी ने दिये गए लक्ष्य से अधिक की निवेश प्राप्ति के लिए सम्बंधित जिला स्तरीय अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास, औद्योगिक निवेश में निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के अनेक प्रयास किये जा रहे हैं और इसमें विशेषतर बुन्देलखण्ड क्षेत्र को औद्योगिक हब बनाने की सरकार की योजना के लिए बल्क ड्रग फार्मा पार्क को विकसित किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मुहैया होंगे।

किडनैपिंग, चलती कार में गला दबाकर मारा

लखनऊ। लखनऊ के निगोहां के दखिना गांव से 25 दिनों से लापता किसान शिव प्रकाश उर्फ कबीर के मामले का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। जमीन के विवाद में उसकी हत्या की गई थी। आरोपियों ने लखनऊ से उसे अगवा किया। रायबरेली में चलती कार में गला दबाकर मार दिया। शव को उन्नाव के बीघापुर इलाके में जला कर ठिकाने लगाया। पुलिस ने सोमवार को मामले में प्रॉपर्टी डीलर समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एडीसीपी साउथ रालापल्ली बसंत ने बताया- निगोहां के दखिना शेखपुर के रहने वाले शिव प्रकाश (42) का अधजला शव उन्नाव के बीघापुर थाना क्षेत्र में मिला था। परिजनों के शव की पहचान करने के बाद टीम जांच में जुटी थी। सीडीआर की मदद से 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान नगराम के रहने वाले सुजीत कुमार श्रीवास्तव (40), पिन्टू (32) विनोद (26), लालू उर्फ नीरज कश्यप (27) राजू उर्फ राजकुमार (34) के रूप में हुई। दखिना गांव का रहने वाला शिव प्रकाश पेशे से किसान था। उसकी जमीन का हिस्सा एक निजी प्लॉटिंग साइट में शामिल था, जिसकी कीमत करोड़ों रुपए बताई जा रही है।

फर्रुखाबाद से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनें फुल

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद से गुजरने वाली लंबी दूरी की सभी ट्रेनें इन दिनों पूरी तरह भरी हुई चल रही हैं। कई ट्रेनों में तो वेटिंग टिकट भी उपलब्ध नहीं है। इससे लंबी दूरी का सफर करने वाले यात्री परेशान है। सर्वाधिक भीड़ प्रयागराज-भिवानी कालिंद्री एक्सप्रेस में देखी जा रही है। कानपुर-मुंबई एक्सप्रेस में 29, 24, 26 और 31 दिसंबर तक एसी क्लास में लगातार वेटिंग चल रही है। 31 दिसंबर के लिए इसमें करीब 42 वेटिंग दिख रही है। प्रयागराज-भिवानी कालिंद्री एक्सप्रेस में दिल्ली के लिए 10 दिसंबर को 10 वेटिंग दर्ज की गई। 25 दिसंबर को यह ट्रेन पूरी तरह से फुल है। इसी तरह, गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस भी एसी और स्लीपर क्लास में 20 दिसंबर तक भरी हुई है। अनवरगंज-मुंबई एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में 15 दिसंबर को 205 वेटिंग और 22 दिसंबर को 109 वेटिंग दर्ज की गई। लखनऊ-जयपुर एक्सप्रेस में 13 दिसंबर को 23 वेटिंग और 15 दिसंबर को 18 वेटिंग चल रही है।

ट्रैक्टर की टक्कर से दो युवक घायल

कुशीनगर। कुशीनगर में जन्मदिन का जश्न मनाने जा रहे दो युवक सड़क हादसे का शिकार हो गए। यह घटना सेवरही थाना क्षेत्र के गौरी जगदीश बिन टोली के पास हुई। रामपुर पट्टी गांव निवासी अमृतांशु पांडे और सोनू उपाध्याय बाइक से तमकुही रोड पर केक लेने गए थे। वे सोनू का जन्मदिन मनाने की तैयारी कर रहे थे। लौटते समय एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर के फाल ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक बाइक समेत काफी दूर तक घसीटते चले गए। इस दौरान उनके पैरों में गंभीर फ्रैक्चर हो गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। परिजनों ने सोमवार शाम 4 बजे घायलों का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद थाने में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विवाहिता की मौत, दहेज हत्या का आरोप

बदायूं। बदायूं में एक विवाहिता की मौत के बाद मायके वालों ने ससुरालियों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पति समेत तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के शेखूपुर गांव की है। यहां रहने वाले दीपक पुत्र राजेश कुमार की पत्नी रीता की बरेली के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। रीता के मायके वालों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर बेटी की हत्या की आशंका जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। कासगंज जिले के चकेरी थाना क्षेत्र के गांव ढोलन निवासी हाकिम सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी रीता की शादी अप्रैल 2023 में दीपक के साथ की थी। हाकिम सिंह के अनुसार, शादी के कुछ दिन बाद से ही पति और ससुराल वाले दहेज में पांच लाख रुपये की मांग करते थे और रीता के साथ मारपीट करते थे। उन्होंने और रिश्तेदारों ने कई बार समझाने का प्रयास किया, लेकिन दीपक व उसके ससुराल वाले नहीं माने और रीता को लगातार परेशान करते रहे।

खेत में सिंचाई कर रहे किसान की मौत

महोबा। महोबा के खरेला थाना क्षेत्र के ऐंचाना गांव में सोमवार को एक किसान की ठंड लगने से मौत हो गई। घनश्याम अहिरवार पुत्र खिमाईयां खेत में पानी लगा रहे थे, तभी यह घटना हुई। मृतक घनश्याम अहिरवार अपने पीछे पत्नी और तीन बेटों को छोड़ गए हैं। उनके दो बेटों और पांच बेटियों की शादी हो चुकी है। उनके पास लगभग पौने दो बीघा कृषि भूमि थी। घटना की सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान दिनकर तिवारी, स्थानीय नेता विनय तिवारी, गौरक्षा जिलाध्यक्ष शिवप्रताप भदौरिया, पहलवान सिंह, लेखपाल परिहार, विन्दा कुशवाहा, श्यामबाबू विश्वकर्मा, गोलू तिवारी, शौबी सिंह, रामऔतार विश्वकर्मा और मुन्ना अहिरवार सहित कई ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिवार को सांत्वना दी और हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त समाचार

बल प्रयोग कर सकते हैं ट्रंप, कथित ड्रग तस्करी से जुड़ी नावों पर हमलों को लेकर बोले रक्षा मंत्री हेगसेथ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कथित ड्रग कार्टेल से जुड़ी नावों पर सैन्य हमलों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास देश की सुरक्षा के लिए जैसा वह उचित समझें कार्रवाई करने का अधिकार है। हेगसेथ ने कहा कि ट्रंप अपनी इच्छानुसार बल का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी में बोलते हुए हेगसेथ ने हमलों की आलोचनाओं को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि इन सैन्य हमलों में 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इन हमलों पर अंतरराष्ट्रीय कानून के संभावित उल्लंघन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीट हेगसेथ ने तर्क दिया कि अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा के लिए ये ऑपरेशन वाजिब था। उन्होंने इसकी तुलना 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद लिए गए फैसलों से की। हेगसेथ ने कहा कि अगर आप किसी घोषित आतंकी संगठन के लिए काम कर रहे हैं और देश में नाव के जरिये ड्रग्स लाते हैं तो हम आपको ढूंढ लेंगे और डुबो देंगे। इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप देश के हितों की रक्षा के लिए जैसा सही समझेंगे, वैसी निर्णायक सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं और करेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश को इस पर शक नहीं होना चाहिए। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने संदिग्ध ड्रग तस्करों की तुलना आतंकवादी संगठन अल-कायदा से की। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी करने के तुरंत बाद आई है, जिसमें यूरोपीय साझेदारों को कमजोर बताया गया है। इस रणनीति का मकसद अमेरिकी ताकत को पश्चिमी गोलार्ध में फिर से स्थापित करना है।

कंप के तेज झटकों से कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 7.0 रही तीव्रता...दहशत में लोग

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के अलास्का राज्य और कनाडा के युकोन इलाके की सीमा पर शनिवार को एक ताकतवर 7.0 की तीव्रता वाला भूकंप आया। यह इलाका पहाड़ी है और यहां आबादी बहुत कम रहती है, इसलिए नुकसान की जानकारी अभी सीमित है। इस भूकंप के कुछ ही मिनट बाद 5.6 और 5.3 तीव्रता के दो और आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। लगातार आने वाले झटकों से इलाके में दहशत का माहौल है। यह इलाका जंगलों, पहाड़ों और बर्फीले मैदानों से घिरा है, इसलिए यहां पहुंचना मुश्किल होता है। फिर भी अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। अमेरिकी सुनामी वार्निंग सिस्टम ने साफ किया है कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है, क्योंकि झटके समुद्र के बहुत अंदर नहीं आए। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जान-माल की हानि की खबर नहीं है, लेकिन आफ्टरशॉक जारी रहने की वजह से लोग सावधानी बरत रहे हैं और स्थानीय एजेंसियां हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

ड्रोन हमला : 33 बच्चों समेत 50 लोगों की मौत, बढ़ सकता है मरने वालों का आंकड़ा

खार्तूम, एजेंसी। दक्षिण-मध्य सूडान में बच्चों के एक स्कूल पर एक अर्धसैनिक समूह द्वारा किये गये ड्रोन हमले में 33 बच्चों सहित 50 लोगों की मौत हो गई। चिकित्सकों के एक समूह ने यह जानकारी दी। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा कि दक्षिण कोर्डोफन प्रांत के कलोगी शहर में पैरामेडिक्स को 卐दूसरे अप्रत्याशित हमले卐 में निशाना बनाया गया। सूडान में नागरिकों के विरुद्ध हिंसा पर नजर रखने वाले एक अधिकार समूह, इमरजेंसी लॉयर्स ने शनिवार को एक बयान में बताया कि कलोगी में बचे लोगों का इलाज कर रहे पैरामेडिक्स पर दूसरा हमला हुआ है, तथा कहा कि 卐पिछले दो के निकट एक तीसरे नागरिक स्थल卐 पर भी हमला किया गया। समूह ने हमले की निंदा की तथा हमलों के लिए अर्धसैनिक समूह, रैपिड सपोर्ट फोर्सेस या आरएसएफ को दोषी ठहराया तथा इसे अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन बताया। मृतकों की संख्या अधिक होने की आशंका है, लेकिन इलाके में संचार व्यवस्था ठप होने के कारण हताहतों की सूचना देना मुश्किल हो गया है। बृहस्पतिवार को किया गया हमला अर्धसैनिक समूह 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) और सूडानी सेना के बीच जारी जंग में नया घटनाक्रम है। दोनों समूह दो साल से भी ज्यादा समय से युद्धरत हैं। अब युद्ध तेल-समृद्ध कोर्डोफन राज्य में केंद्रित है। सूडान में यूनिसेफ प्रतिनिधि शेल्डन येट ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, स्कूल में बच्चों की हत्या बच्चों के अधिकारों का घोर उल्लंघन है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि संघर्ष की कीमत बच्चों को चुकानी पड़े। उन्होंने कहा कि यूनिसेफ सभी पक्षों से ''इन हमलों को तुरंत रोकने और जरूरतमंद लोगों तक मानवीय सहायता की सुरक्षित व निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह करता है।

संपत्तियां फ्रीज, कंपनियों पर भी प्रतिबंध; खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ब्रिटेन की बहुत बड़ी कार्रवाई

लंदन, एजेंसी। भारत के दबाव के बीच ब्रिटेन ने खालिस्तानी आतंकवादी समूहों के खिलाफ बड़ा ऐतिहासिक कदम उठाया है। ब्रिटिश सरकार ने 4 दिसंबर को गुरप्रीत सिंह रेहल नामक एक व्यक्ति और बब्बर अकाली लहर संगठन पर आतंकवाद से जुड़े आरोपों के तहत प्रतिबंध लगा दिए हैं। यह कार्रवाई खासतौर पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल नामक प्रतिबंधित खालिस्तानी आतंकवादी संगठन से इनकी सांठगांठ के लिए की गई है। इस कदम से ब्रिटेन की वित्तीय प्रणाली का दुरुपयोग करने वाले चरमपंथियों को झटका लगेगा और भारत-ब्रिटेन के बीच आतंकवाद विरोधी सहयोग को नई मजबूती मिलेगी। ब्रिटेन सरकार ने काउंटर-टेररिज्म (सैंक्शंस) (ईयू एग्जिट) रेगुलेशंस 2019 के तहत इन प्रतिबंधों को लागू किया है। मुख्य कार्रवाइयों में शामिल हैं- संपत्ति फ्रीजः रेहल, बब्बर अकाली लहर और इनसे जुड़ी कंपनियों की ब्रिटेन में स्थित सभी संपत्तियों, फंड्स और आर्थिक संसाधनों को तत्काल प्रभाव से फ्रीज कर दिया गया है। ब्रिटिश नागरिकों या संस्थाओं को इन संसाधनों से कोई सौदा करने, या इन्हें कुछ भी उपलब्ध कराने की अनुमति नहीं है, जब तक कि एचएम ट्रेजरी से लाइसेंस न मिले।

कंपनियों पर असरः रेहल से जुड़े संगठन सेविंग पंजाब सीआईसी, वाइटहॉक कंसल्टेशंस लिमिटेड और अनइनकॉर्पोरेटेड संगठन लोहा डिजाइन्स पर भी प्रतिबंध लगे हैं। गुरप्रीत सिंह रेहल

को किसी कंपनी का निदेशक बनने या उसके प्रबंधन में प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने से रोक दिया गया है। प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर सात साल तक की कैद या 10 लाख पाउंड तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। ब्रिटेन के वित्त मंत्रालय के मूल्यांकन के अनुसार, यह पहली बार है जब घरेलू काउंटर-टेररिज्म रिजीम का इस्तेमाल खालिस्तानी मिलिटेंट ग्रुप्स के फंडिंग को बाधित करने के लिए किया गया है।

खालिस्तानी आतंक से जुड़े आरोपः भर्ती, फंडिंग और हथियार खरीद : गुरप्रीत सिंह रेहल पर भारत में आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त संगठनों से जुड़ने का आरोप है। ब्रिटिश सरकार का मानना है कि वह बब्बर खालसा और बब्बर अकाली लहर की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। इन आतंकी संगठनों की गतिविधियों में समूहों का प्रचार-प्रसार और प्रोत्साहन, भर्ती अभियान चलाना, वित्तीय सेवाएं प्रदान करना, हथियारों और अन्य सैन्य सामग्री की खरीद में सहायता और ऐसे ही संगठनों को समर्थन और सहयोग देना शामिल है। बब्बर अकाली लहर को बब्बर खालसा का सहयोगी संगठन माना जाता है, जो इसकी भर्ती, प्रचार और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देता है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है, जो खालिस्तान आंदोलन के नाम पर हिंसा और घृणा फैलाने के लिए फेमस है। ब्रिटेन सरकार की ये कार्रवाइयां भारत में हो रही आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देने वाले नेटवर्क को निशाना बनाती है।

ब्रिटिश अधिकारियों के बयानः आतंकवाद के फंडिंग को कुचलेंगे : आर्थिक सचिव लूसी रिग्बी केसी एमपी ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि जब आतंकवादी ब्रिटेन की वित्तीय प्रणाली का शोषण करेंगे तो हम चुपचाप नहीं देखेंगे। यह ऐतिहासिक कदम दर्शाता है कि हम हर उपलब्ध टूल का इस्तेमाल करके आतंकवाद की फंडिंग को रोकने के लिए तैयार हैं- चाहे वह कहीं भी हो। ब्रिटेन उन शांतिपूर्ण समुदायों के साथ दृढ़ता से खड़ा है, जो हिंसा और घृणा को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ हैं।

भारत-ब्रिटेन सहयोग को मिली मजबूतीः वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त मोर्चा : यह कदम भारत और ब्रिटेन के बीच बढ़ते आतंकवाद विरोधी सहयोग का प्रतीक है। ब्रिटेन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह विदेशी मिट्टी पर आतंकवाद को समर्थन देने वाले नेटवर्क को बर्दाश्त नहीं करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे खालिस्तानी चरमपंथियों के वैश्विक फंडिंग चैनलों पर असर पड़ेगा। इससे भारत की सुरक्षा चिंताएं भी जुड़ी हुई हैं।

बब्बर खालसा का इतिहास और खतरा : बब्बर खालसा 1980 के दशक में खालिस्तान आंदोलन के दौरान उभरा। यह भारत में कई आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार रहा है। यह संगठन हथियार तस्करी, विस्फोटक हमले और राजनीतिक हत्याओं में लिप्त रहा है। ब्रिटेन में इसके समर्थक लंदन और अन्य शहरों में सक्रिय हैं, जहां वे फंडिंग और प्रचार के जरिए गतिविधियां चलाते हैं। हाल के वर्षों में, भारत ने ब्रिटेन से ऐसे नेटवर्क्स पर कार्रवाई की मांग की थी, और यह संयुक्त घोषणा उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। यह कार्रवाई ब्रिटेन की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जो वैश्विक आतंकवाद को फंडिंग रोकने पर केंद्रित है। आने वाले दिनों में और प्रतिबंधों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, खासकर जब अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ रहा है।

न्यू साउथ वेल्स के जंगल में आग लगने से 12 घर जलकर खाक

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में जंगलों में आग लगने से कई घर जलकर खाक हो गये हैं। आस्ट्रेलिया की न्यू साउथ वेल्स रूरल फायर सर्विस ने पुष्टि की है कि आग से कई घर जलकर खाक हो गए हैं। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने शनिवार दोपहर यह जानकारी दी। एबीसी ने बताया कि घरों में आग लगने की घटना तक सामने आई जब नेटवक 'के न्यूज़ हेलीकॉप्टर से चलाए गए लाइव वीडियो में निंबिन रोड, कोलूवोंग के पास कम से कम 12 घर आग लगने से पूरी तरह खाक हो गये थे। न्यू साउथ वेल्स रूरल फायर सर्विस ने आज दोपहर निंबिन रोड के लिए एक आपातकालीन चेतावनी जारी की। जंगल में लगी आग दक्षिण दिशा के ग्लेनरॉक परेड से लारा स्ट्रीट की ओर बढ़ रही है। अधिकारियों ने आग में फंसे लोगों से कहा, अगर आप निंबिन रोड, ग्लेनरॉक परेड, लारा स्ट्रीट और निमाला एवेन्यू के क्षेत्र में हैं, तो आपके लिए खतरा हैं। यदि रास्ता साफ मिलता है तो अभी वॉय वॉय की ओर सुरक्षित बाहर निकल सकते हैं। कोलूवोंग न्यू साउथ वेल्स के सेंट्रल कोस्ट का

एक उपनगर है, जो सिडनी सीबीडी से लगभग एक घंटे की दूरी पर स्थित है। एबीसी ने यह भी रिपोट 'दी है कि कोलूवोंग में पटरियों के पास आग लगने के कारण सेंट्रल कोस्ट और न्युकैसल रेलवे लाइन पर ट्रेनों को आवागमन नहीं हो रहा है। एनएसडब्ल्यू आरएफएस ने बाद में बैरामी, बैरामी क्रीक, विडन, यारावा और केराबी क्षेत्रों के लिए एक और आपातकालीन चेतावनी जारी की, क्योंकि वहां जंगल के एक बड़े क्षेत्र में जबरदस्त आग लगी है। ये क्षेत्र एनएसडब्ल्यू के ऊपर क्षेत्र में हैं और सिडनी सीबीडी से 200 किलोमीटर से अधिक उत्तर-पश्चिम में स्थित हैं। अधिकारियों ने इन क्षेत्रों के लोगों को सूचित किया कि उनकी जान खतरे में हैं और अब इलाके से बाहर निकलने में बहुत देर हो चुकी है। उन्होंने लोगों से एक मजबूत संरचना के अंदर शरण लेने का आग्रह किया है।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी विमानों पर दो बार लॉक किया रडार, जापान ने दर्ज कराया कड़ा विरोध; तनाव बढ़ा

टोक्यो , एजेंसी। चीन के एक सैन्य विमान ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। जापान ने आज इस घटना को लेकर चीन के सामने विरोध दर्ज कराया है। चीनी सैन्य विमान ने विमानवाहक पोत लियानओनिंग से उड़ान भरी थी। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री के ताइवान पर दिए बयान के बाद दोनों देशों के संबंध खराब हो गए हैं। जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, लियाओनिंग से उड़ान भरने वाले जे-15 लड़ाकू विमान ने शनिवार को दो बार जापान के एफ-15 विमानों पर अपना रडार लॉक किया। पहली बार देर दोपहर करीब तीन मिनट के लिए और दूसरी बार शाम में लगभग 30 मिनट तक रडार लॉक किया गया। हालांकि जापान के हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और न ही किसी तरह का नुकसान हुआ। रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने इसे बेहद खतरनाक हरकत बताया। उन्होंने कहा कि चीन का यह कदम सुरक्षित सैन्य उड़ान संचालन की सीमा से बाहर है। उन्होंने कहा कि जापान ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है। चीन पहले ही जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के उस बयान पर नाराजगी जता चुका है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर चीन ताइवान पर कोई कार्रवाई करता है तो जापान भी इसमें शामिल हो सकता है। घटना के दौरान लियाओनिंग ओकिनावा और मियाको द्वीपों के बीच से गुजर रहा था और वह प्रशांत महासागर में विमान संचालन का अभ्यास कर रहा था। जापानी एफ-15 विमान सतर्कता के तौर पर हवा में भेजे गए थे और वे सुरक्षित दूरी पर रहते हुए चीनी विमानों पर नजर रख रहे थे। रक्षा विशेषज्ञों ने बताया कि लड़ाकू विमान रडार का इस्तेमाल सामान्य खोज के लिए भी करते हैं और मिसाइल दागने से पहले फायर कंट्रोल के रूप में भी। माना जा रहा है कि जापान और चीन के बीच रडार लॉक की यह पहली घटना है। इससे पहले साल 2013 में एक चीनी युद्धपोत ने जापानी डेस्ट्रॉयर पर रडार लॉक किया था।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत नाजुक, लंदन रवाना होने की तैयारी फिर टली

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और तीन बार देश का नेतृत्व कर चुकीं खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। लंदन ले जाने की तैयारी कई दिनों से चल रही थी, लेकिन डॉक्टरों ने एक बार फिर उनकी यात्रा टाल दी है। शनिवार को मेडिकल बोर्ड ने साफ कहा कि इस समय खालिदा जिया का विदेश जाना सुरक्षित नहीं है। इसी वजह से लंदन रवाना करने की योजना अनिश्चित काल के लिए टाल दी गई। डॉक्टरों के मुताबिक, खालिदा जिया को फिलहाल ढाका के एवरकेयर अस्पताल के CCU में रखा गया है। 80 साल की जिया को पिछले महीने सीने में गंभीर संक्रमण होने के बाद भर्ती कराया गया था। उनकी हालत लगातार उठ-बैठ रही है, इसलिए मेडिकल बोर्ड ने यात्रा को 'जोखिम भरा' बताया। डॉक्टरों का कहना है कि एयर

एम्बुलेंस तैयार है, लेकिन मरीज की स्थिति यात्रा योग्य होने पर ही उड़ान होगी। पहले तय था कि जिया शुक्रवार को लंदन रवाना होंगी, लेकिन कतर की ओर से भेजी जा रही एयर एम्बुलेंस तकनीकी खराबी के कारण ढाका नहीं पहुंच सकी। बाद में मीडिया रिपोर्ट में दावा हुआ कि कतर ने जर्मनी से दूसरा विमान मंगवाया, लेकिन डॉक्टरों ने कहा कि मरीज की हालत अब यात्रा की अनुमति नहीं देती। BNP नेता डॉक्टर जाहिद हुसैन ने बताया कि जिया की विदेश यात्रा उनकी सेहत सुधरते ही कराई जाएगी।

बेटे तारीक की पत्नी ढाका पहुंचीं : खालिदा जिया के बेटे और BNP के कार्यवाहक प्रमुख तारीक रहमान लंदन में रहते हैं और कई कानूनी कारणों से बांग्लादेश नहीं लौट पा रहे। हालांकि उनकी पत्नी जुबैदा रहमान शुक्रवार को ढाका पहुंच गईं ताकि जिया को लंदन ले जाने की प्रक्रिया में सहयोग कर सकें। तारीक रहमान ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वे मां के पास आना चाहते हैं, लेकिन यह निर्णय सिर्फ उनके हाथों में नहीं है।

हेलीकॉप्टर लैंडिंग की भी तैयारी : जिया की हालत बिगड़ने के बाद सेना और वायुसेना ने एवरकेयर अस्पताल की छत पर हेलीकॉप्टर लैंडिंग ट्रायल भी किया था। योजना यह थी कि जरूरत पड़ने पर सीधे अस्पताल से उन्हें एयरपोर्ट ले जाया जाएगा। इससे साफ होता है कि सरकार और चिकित्सा बोर्ड पूरी प्रक्रिया को बेहद गंभीरता से संभाल रहे हैं। क्ष्क्क नेता देशभर में मस्जिदों और मंदिरों में जिया के स्वास्थ्य लाभ के लिए दुआ और प्रार्थना कर रहे हैं। बांग्लादेश की बदलती राजनीतिक स्थिति के बीच क्ष्क्क पहले ही मुख्य राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर चुकी है। अब खालिदा जिया की खराब सेहत ने पार्टी के भविष्य को और संवेदनशील बना दिया है।

ताइवान के करीब चीन ने बढ़ाई सैन्य गतिविधियां, गश्त करते दिखे दो विमान और सात नौसैनिक जहाज

ताइपे , एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उसके क्षेत्र के आस-पास चीनी सेना (पीएलए) के दो विमान उड़ान भरते हुए और सात नौसैनिक (पीएलएएन) जहाज गतिविधि करते हुए दिखाई दिए। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी देखा गया। मंत्रालय ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, आज सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक ताइवान के आसपास पीएलए के दो विमानों और पीएलएएन के सात जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी पाया गया। ताइवान के रक्ष बलों ने स्थिति की निगरानी और प्रतिक्रिया दी। शनिवार को ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियां बढ़

गईं। उस दिन चीन के 29 लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी और छह नौसैनिक जहाजों की गतिविधि देखी गई। इस बीच, जो बाइडन प्रशासन के पूर्व रक्षा अधिकारी एलि रैटनर ने जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बयान को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ताइवान की रक्षा में जापान के शामिल होने की संभावना पर चीन की प्रतिक्रिया अनुचित है। ताइपे टाइम्स के मुताबिक, एलि रैटनर 2021 से इस वर्ष तक हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा सचिव थे। उन्होंने कहा कि ताइवान पर टिप्पणी कर ताकाइची ने केवल जापान की आधिकारिक नीति दोहराई है। सात नवंबर को जापानी प्रधानमंत्री ने संसद में कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है, तो इसे जापान के अस्तित्व के लिए खतरा माना जा सकता है और जापान को कदम उठाना पड़ सकता है। ताकाइची दशकों में पहली जापानी नेता हैं, जिन्होंने खुलकर कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य में संकट के समय जापान की सेना शामिल हो सकती है। उनके बयान से चीन नाराज हुआ और उसने जापान की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें जापान की यात्रा और शिक्षा पर चेतावनी और जापानी समुद्री भोजन के आयात को रोकना शामिल है।

संदिग्ध गुब्बारों से हड़कंप, लिथुआनिया का विलनियस एयरपोर्ट बंद

लिथुआनिया , एजेंसी। लिथुआनिया के विलनियस एयरपोर्ट ने शनिवार को अपने सभी ऑपरेशंस रोक दिए। वजह थी एयरपोर्ट के ऊपर अचानक कुछ गुब्बारे दिखाई देना। देश की नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर ने बताया कि एयर ट्रैफिक 1905 त्रस्ज्ञ तक बंद रहेगा। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा हुआ हो। विलनियस एयरपोर्ट, जो बेलारूस की सीमा से सिर्फ 30 किलोमीटर दूर है, अक्टूबर की शुरुआत से अब तक 10 से ज्यादा बार इसी वजह से बंद किया जा चुका है। आखिरी बार एयरपोर्ट 3 दिसंबर को बंद किया गया था।

गुब्बारे कौन भेज रहा है : लिथुआनिया का कहना है कि ये गुब्बारे बेलारूस से तस्करों द्वारा भेजे जा रहे हैं, जो इनके जरिये सिगरेट की तस्करी करते हैं। लेकिन बात सिर्फ तस्करी तक सीमित नहीं है, लिथुआनिया बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको पर भी उंगली उठा रहा है। लिथुआनिया का आरोप है कि बेलारूस की सरकार इन्हें रोक नहीं रही बल्कि यह एक तरह का ÷हाइब्रिड अटैक÷ है, जिससे लिथुआनिया के हवाई यातायात को बाधित किया जा रहा है। लुकाशेंको रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी हैं, इसलिए ये घटनाएं राजनीतिक तौर पर भी संदेह पैदा करती हैं

हाइब्रिड अटैक क्या होता है : जब किसी देश को सीधे हमला किए बिना असामान्य तरीकों से तनाव पैदा किया जाए। आर्थिक या सुरक्षा व्यवस्था को बाधित किया जाए तो इसे हाइब्रिड अटैक कहा जाता है। लिथुआनिया का कहना है कि गुब्बारों को लगातार भेजकर एयरपोर्ट को बंद करने की नौबत खड़ी की जा रही है, जिससे देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है।

एयरपोर्ट बंद होने का असर : बार-बार एयरपोर्ट बंद होने से फ्लाइटें देरी से उड़ रही हैं या कैंसल हो रही हैं। यात्रियों को असुविधा हो रही है। एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता बढ़ रही है कि यह सिलसिला कहां तक जाएगा। सरकारी एजेंसियां अब लगातार एयरस्पेस की निगरानी कर रही हैं, ताकि गुब्बारों के कारण फिर से एयरपोर्ट को बंद न करना पड़े।

पुतिन की भारत यात्रा ट्रंप की नाकामी, पेंटागन के पूर्व अधिकारी का बड़ा बयान; अमेरिकी नीति को बताया पाखंड

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रूबिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे को बहुसंख्य अमेरिकी नागरिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोर नाकामी के रूप में देख रहे हैं। अमेरिकी नागरिक ट्रंप को पसंद नहीं करते। रूबिन ने दावा किया कि हालिया सर्वे में पाया गया है कि अमेरिका के 65 प्रतिशत लोग ट्रंप को नापसंद करते हैं। अमेरिकी पूर्व अधिकारी ने कहा कि रूस से रियायती तेल खरीदने पर भारत को लेक्चर देकर अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि वॉशिंगटन खुद मॉस्को के साथ व्यापार में शामिल है। उन्होंने नई दिल्ली की अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देने की स्थिति को सही ठहराया। पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने अमेरिका की कड़ी आलोचना तब की जब उनसे नई दिल्ली दौरे के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस

टिप्पणी के बारे में पूछा गया कि मॉस्को बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की बिना रुकावट आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है और उसकी अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं। उन्होंने अगस्त में भारतीय आयात पर अमेरिका की तरफ से 50त्न टैरिफ लगाने की आलोचना की। वाशिंगटन का दावा है कि यह तेल यूक्रेन में मॉस्को के युद्ध प्रयासों को बढ़ावा देता है।

रूसी तेल खरीद पर अमेरिका कर रहा पाखंड : रूबिन ने खास बातचीत में कहा, जो बात अमेरिकियों को समझ नहीं आती, वह यह है कि भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है। अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि हम रूस से खरीदते हैं। हम ऐसे सामान और मटीरियल खरीदते हैं जिनके लिए हमारे पास कोई दूसरा बाजार नहीं है। उन्होंने कहा, अगर हम नहीं चाहते कि भारत रूसी तेल खरीदे तो हमें भारत को सस्ती कीमत पर और जितनी मात्रा में उसे जरूरत है उतनी मात्रा में ईंधन देने के लिए हम क्या करने वाले हैं।

पाकिस्तान को गले लगाने पर भी सवाल : पूर्व पेंटागन अधिकारी ने पाकिस्तान को गले लगाने के लिए अमेरिका के पास कोई रणनीतिक तर्क नहीं होने का दावा करते हुए कहा कि इस्लामाबाद को आतंकवाद का स्टेट स्पॉन्सर घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने जून में पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के व्हाइट हाउस दौरे पर भी आपत्ति जताई और कहा कि मुनीर को अमेरिका में गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कटक (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां मंगलवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी । इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव, वहीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी एडन मार्कराम के पास रहेगी। इसी मैच को जीतकर सीरीज में दोनो ही टीम बढ़त लेने के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि शुभमन गिल फिट हो गये हैं और वह इस मैच में खेलेंगे। उनके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी इस सीरीज से वापसी करेंगे।

ये सीरीज अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप को देखते हुए काफी अहम मानी जा रही है। इससे दोनों टीमें अपनी अपनी तैयारियों का आंकलन करेंगी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के अलावा , तिलक वर्मा, कप्तान सूर्यकुमार व शुभमन गिल पर अधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव रहेंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी मार्कराम के अलावा डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी व, एनरिक नोर्खिया संभालेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतीय टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका : एडन मार्कराम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, मार्को जेनसन, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फरेरा, ट्रिस्टन स्टब्स, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्खिया।

अभिषेक एक साल में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने

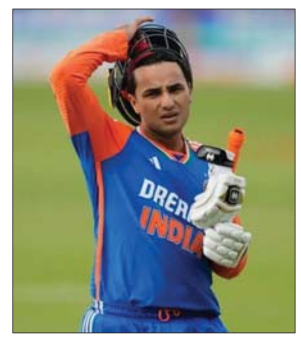

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक अहम रिकार्ड बनाया है जिससे अंदाजा होता है कि वह कितने अच्छे फार्म में हैं। अभिषेक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही पंजाब की कप्तानी करते हुए 250 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने 6 मुकाबलों में 300 से अधिक रन बनाये हैं। सर्विसेज के खिलाफ हुए मुकाबले में उन्होंने तीन छक्के लगाकर अर्धशतक बनाया था।

अभिषेक इसी के साथ ही एक एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बने हैं। अभिषेक ने सर्विसेज के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में 34 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 62 रन की आक्रामक खेली। इस मैच में दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक एक साल में 100 टी20 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं।

अभिषेक ने इस साल भारतीय टीम की ओर से 17 टी20आई मैचों में 47 छक्के लगाए हैं। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 14 मैचों में 28 छक्के लगाये हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 2025 सत्र में अभिषेक ने अब तक 6 मैचों में 26 छक्के लगाए हैं। कुल मिलाकर इस साल अब तक खेले गए 37 टी20 मैचों में उनके नाम 101 छक्के हैं। अभिषेक ने पिछले साल भी 39 मैच में सबसे अधिक 39 87 छक्के लगाए थे। वहीं साल 2022 में सूर्यकुमार यादव ने 41 टी20 मैचों में 85 छक्के लगाए थे।टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन के नाम है। साल 2024 में पूरन ने 76 मैच में 170 छक्के लगाए थे। इस साल उन्होंने डरबन सुपर जायंट्स, लखनऊ सुपर जायंट्स, एमआई अमीरात, एमआई न्यूयॉर्क, नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स (पुरुष), रंगपुर राइडर्स, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स और वेस्टइंडीज की ओर से खेला था। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल विश्व के पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने टी20 में एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाए थे।

जसप्रीत बुमराह के पास तीन बड़े रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कुछ ऐतिहासिक माइलस्टोन्स बनाने की कगार पर हैं क्योंकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार से कटक में टी20आई सीरीज शुरू हो रही है। टेस्ट सीरीज में 0-2 से शर्मनाक हार के बाद वनडे में वापसी करते हुए भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की। सूर्यकुमार यादव और गौतम गंभीर की लीडरशिप में टीम इंडिया टी20 में अभी तक कोई सीरीज नहीं हारी है और प्रोटियाज के खिलाफ बड़ी सीरीज़ जीतकर घरेलू टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को तेज करने का लक्ष्य रखेगी, यह टीम अनुभव और युवाओं के जोश से बराबर भरी हुई है।

बुमराह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बाद भारत के लिए टी20आई विकेटों का शतक लगाने वाले दूसरे बॉलर बनने की लाइन में हैं। इसके लिए बुमराह को सिर्फ एक विकेट की जरूरत है। उन्होंने 80 टी20आई में 18.11 के औसत से 99 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका बेस्ट फिगर 3/7 रहा है। टॉप पर अर्शदीप (68 मैचों में 105) हैं। इसके साथ बुमराह खेल के सभी फॉर्मेट में कम से कम 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर बन जाएंगे। बुमराह साथ ही सभी फॉर्मेट में 500 विकेट लेने वाले आठवें भारतीय बॉलर बनने से 18 विकेट दूर हैं। 221 मैचों में बुमराह ने 20.60 के औसत से 482 विकेट लिए हैं जिसमें उनके नाम 6/19, 13 चार विकेट हॉल और 18 बार 5 विकेट हॉल का बेस्ट रिकॉर्ड है।

जोफ्रा आर्चर पर भड़के रिकी पोंटिंग, स्टीव स्मिथ के साथ तीखी बहस के लिए साधा निशाना

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने गाबा में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के अचानक सामने आए जोश पर तीखी प्रतिक्रिया दी। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच आठ विकेट से जीता, लेकिन अंतिम चरण में आर्चर की तेज़ गेंदबाज़ी और स्टीव स्मिथ से हुई बहस सोशल मीडिया पर छा गई। पोंटिंग के अनुसार, आर्चर पूरे मैच में अपनी धार नहीं दिखा पाए और जब मुकाबला लगभग खत्म हो चुका था, तब उनका गुस्सा उभरकर सामने आया। इस देर से दिखे आक्रामक रवैये पर पोंटिंग ने खुलकर सवाल उठाए।

पोंटिंग की कड़ी आलोचना: 'बहुत कम, बहुत देर से'

रिकी पोंटिंग ने कमेंट्री के दौरान कहा कि आर्चर की अचानक तेज़ी मैच की वास्तविक परिस्थितियों के बिल्कुल विपरीत थी। चौथे दिन जब इंग्लैंड 64 रन के छोटे लक्ष्य की रक्षा कर रहा था, तभी आर्चर ने 150 द्मद्बश्चद्ध के करीब रफ्तार पकड़ ली। पोंटिंग के अनुसार, अगर यह ऊर्जा और तीखापन पहले दिखाई देता, तो इंग्लैंड मैच में बेहतर स्थिति में हो सकता था। उन्होंने स्पष्ट कहा, ÷सीरीज के छह दिन बाद आर्चर में जान आई है – वह भी तब, जब दूसरा टेस्ट लगभग खत्म हो चुका था। यह बहुत देर हो चुकी है, चैंप।÷

स्मिथ-आर्चर में गर्मागर्म बहस

ऑस्ट्रेलिया के जीत सुनिश्चित करने से कुछ मिनट पहले आर्चर और स्मिथ के बीच हुए वाक्य-विवाद ने माहौल और गर्म कर दिया। आर्चर ने स्मिथ को कई बाउंसर फेंककर उकसाया, जिस पर स्मिथ ने तीखे शब्दों में पलटवार किया। आर्चर ने कहा, 'तुम ऐसे शॉट तब ही खेलते हो जब स्कोर कम हो।' स्मिथ ने तुरंत जवाब दिया, 'तुम तेज़ बॉलिंग तभी करते हो जब कुछ नहीं बचा होता, चैंप।' यह संवाद तुरंत वायरल हो गया और मैच का सबसे चर्चित पल बन गया।

'चार दिन चूक गए इंग्लैंड': पोंटिंग का तंज

पोंटिंग ने इंग्लैंड की समग्र बॉडी लैंग्वेज और रवैये पर भी सवाल उठाए। उनके मुताबिक, इंग्लैंड चार दिन तक संघर्ष करता रहा और अचानक अंतिम घंटों में आक्रामक दिखने लगा। उन्होंने कहा, 'अब आप लड़ने निकले हो? बहुत देर हो चुकी है। चार दिन का मौका था।'

स्मिथ पर 'द वुड' होने की धारणा को पोंटिंग ने बताया गलत

2019 में लॉर्ड्स टेस्ट में लगे खतरनाक बाउंसर के बाद यह माना जाता है कि आर्चर, स्मिथ के खिलाफ मानसिक बढ़त रखते हैं। पर पोंटिंग ने इस धारणा को पूरी तरह मिथक बताया। टेस्ट क्रिकेट में आर्चर ने स्मिथ को कभी आउट नहीं किया। उन्होंने 220 गेंदों पर 130 रन दिए, जो मौजूदा सांख्यिकी के अनुसार आर्चर के प्रभुत्व वाली कहानी नहीं दिखाते।

एशेज की असली तीखी शुरुआत?

पोंटिंग ने माना कि गाबा में दिखा यह छोटा-सा भिड़ंत टेस्ट क्रिकेट की असली तीव्रता को दर्शाती है। लेकिन पहले दो टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की बढ़त ने इंग्लैंड के लिए चुनौती और कठिन बना दी है। उन्होंने कहा, 'अब खेल असली रूप में आ गया है। एशेज क्रिकेट इसी के लिए जाना जाता है।'

रूट के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड, ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 वां टेस्ट हारे

ब्रिस्बेन । इंग्लैंड की यहां एशेज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। अब रूट के नाम ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 टेस्ट में हार का शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले पाकिस्तान में लगातार 15 हार का रिकार्ड भारतीय टीम के महान ऑलराउंडर कपिल देव के नाम था। इनके अलावा किसी भी अन्य क्रिकेटर के नाम किसी देश में बिना किसी जीत के इतने मुकाबले हारने का रिकॉर्ड नहीं है। जिस प्राकर रूट का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड कमजोर रहा, वैसे ही कपिल देव का पाकिस्तान में व्यक्तिगत रिकॉर्ड खराब रहा है। कपिल ने पाक में 22 पारियों में 548 रन बनाए, औसत 26.10 रहा, और 44 विकेट लिए, औसत 40.02 रहा। ये उनके करियर का दूसरे सबसे खराब औसत रहा है। रूट ने हालांकि इस बार अच्छा प्रदर्शन किया था पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये जिससे टीम हार गयी। उसके बल्लेबाज दोनों पारियों में रन बनाने में विफल रहे। रूट ने हालांकि पहली पारी में शतक लगाया था पर उन्हें किसी से साथ नहीं मिला।

रोहित और कोहली की जगह को लेकर अब सवाल नहीं उठाने चाहिये : बांगर

विशाखापट्टनम। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा बढ़ती उम्र के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में टीम में इनकी जगह को लेकर किसी भी प्रकार के सवाल नहीं उठाये जाने चाहिये। बांगर ने कहा कि पिछले कुछ समय के अंदर दोनो ने अपने प्रदर्शन से दिखा दिय है कि वे अभी भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं। इसलिए इन दोनो के साथ अलग तरह से व्यवहार होना चाहिये। इसके अलावा इसकी टीम में जगह को लेकर किसी प्रकार प्रकार की आशंकाएं नहीं लगायी जानी चाहिये। इन किन ने पिछले छह एकदिवसीय मैचों में अपने को साबित किया है। ऑस्ट्रेलिय औार दक्षिय अफ्रीका के खिलाफ देखा जाये तो इन दोनो ने जो खेल दिखाया वह कोई और नहीं दिखा पाया। बांगर ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अबटीम में इनकी की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने चाहिए। उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर ध्यान देना चाहिए।'' कोहली और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेले हैं। बांगर का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने कहा, ''वे दो प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए ज़ाहिर है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है पर वे ऐसा कई बार कर चुके हैं। उन्हें किसी युवा खिलाड़ी जितने मैच खेलने की जरूरत नहीं है। एक बार वे जब अपनी लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रन बनासे से रोकना संभव नहीं होता। ऐस में अगर आप इस तरह के खिलाड़ियों को टीम में चाहते हैं। आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी देनी होगी।''उन्होंने कहा, '''जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है। उनके रहने से ही से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है। ।''

एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 क्वालीफाइंग मुकाबला : भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने वेल्स को 3-1 से हराया

सैंटियागो (एजेंसी)। भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेल्स को 3-1 से हरा दिया। भारतीय टीम ने एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के नौ से 16वें स्थान के लिए हुए इस क्वालीफाइंग मुकाबले में वेल्स को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। भारतीय टीम की ओर से हिना बानो ने 14वें मिनट, सुनेलिता टोप्पो ने 24वें मिनट और इशिका ने 31वें मिनट में गोल किये। वहीं वेल्स की ओर से एकमात्र गोल एलोइस मोट ने 52वें मिनट में किया।

भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत में से ही आक्रमण करने शुरु कर दिये। पहले क्वार्टर के अंत में साक्षी राणा के शानदार पास पर हिना ने गोल करा भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे क्वार्टर में सुनेलिता टोप्पो ने एक गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया।

वहीं तीसरे हाफ में इशिका से गोल से भारतीय टीम की बढ़त 3-0 की हो गयी। भारतीय टीम अपने आक्राक रुख से वेल्स पर परे समय हावी रही। वेल्स की ओर से 52वें मिनट में एलोइस मोट ने गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को कम जरुर किया पर इसके बाद उनकी ओर से कोई खिलाड़ी गोल नहीं कर पाया।

शाकिब ने संन्यास का फैसला वापस लिया, बांग्लादेश लौटकर खेलना चाहते हैं एक घरेलू सीरीज

सेन डियागो । पिछले काफी समय से अमेरिका में रह रहे बांग्लादेश क्रिकेट टीम से पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन ने संन्यास से वापसी का फैसला किया है। शाकिब का कहना है कि वह एकसाथ ही तीनों प्रारुपों को अलविदा कहना चाहते हैं। उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर मोईन अली से बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने अभी तक तीनों प्रारुपों से आधिकारिक रुप से संन्यास नहीं लिया है। साथ ही कहा कि वह बांग्लादेश लौटकर एक पूरी घरेलू सीरीज खेलने के बाद ही तीनों प्रारुपों से एक साथ संन्यास लेंगे। शाकिब पिछले एक साल से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने पिछले साल ही टेस्ट और टी20 से संन्यास ले लिया था। उन्होंने मोईन से बातचीत के दौरान कहा, मैं आधिकारिक रूप से अभी तीनों प्रारुपों से रिटायर नहीं हुआ हूं। ये पहला मौका है जब मैं इसका खुलासा कर रहा हूं। मेरी योजना है कि मैं बांग्लादेश जाकर, एक पूरी एकदिवसीय, टेस्ट और टी20 सीरीज खेलूं और फिर रिटायरमेंट लूं। शाकिब ने साथ ही कहा कि मैं तीनों प्रारुपों से एकसाथ संन्यास ले सकता हूं। मुझे बस एक पूरी सीरीज खेलनी है और फिर संन्यास लेना है। गौरतलब है कि शाकिब मई 2024 से ही बांग्लादेश वापस नहीं लौटे हैं। छात्र आंदोलन और अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाये जाने के हटने के बाद से ही वह देश से बाहर ही हैं। शाकिब अवामी लीग से सांसद भी बने थे। उनके नाम पर कई मामले भी बांग्लादेश में दर्ज हुए थे। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान और भारत में टेस्ट मैच भी खेले। भारत के खिलाफ कानपुर में उन्होंने दूसरा टेस्ट व अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। वहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या वे बांग्लादेश लौटेंगे, तो शाकिब ने कहा कि मुझे उम्मीद है। इसलिए मैं कई टी20 लीग खेल रहा हूं मुझे लगता है, ऐसा होगा। शाकिब ने ये भी कहा कि वह अपने देश में एक घरेलू सीरीज खेलकर सम्मानजनक विदाई चाहते हैं, ताकि अपने प्रशंसकों का आभार वयक्त कर सके।

भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार, अधिक बदलाव नहीं होंगे : सूर्यकुमार

कटक । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां होने वाले पहले टी 20 मैच में बेहतर प्रदर्शन के लिए उनकी टीम तैयार है। सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का माहौल काफी अच्छा और इसमें अधिक बदलाव नहीं होंगे। सूर्या ने कहा कि मैच में ओस सहित कुछ चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं होती और उसके लिए कुछ नहीं किया जा सकता है। सूर्यकुमार ने कहा कि इस समय सर्दियों का मौसम चल रहा है और रात के समय ओस का गिरना स्वाभाविक है। ऐसे मुकाबलों में ओस से भी प्रभाव पड़ता है। कप्तान ने कहा कि इसमें हमारा बस नहीं है। हमें खेलना ही है, ओस अगर होगी तो उसके हिसाब से ही प्रबंधन करेंगे क्योंकि हम मैदान छोड़कर भाग तो नहीं सकते। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को एकदिवसीय सीरीज में हराया है जिससे वह इस मैच में उत्साहित होकर उतरेगी। वहीं अपने दौरे के इस अंतिम चरण में मेहमान टीम जीत हासिल करना चाहेगी।

फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप की मेजबानी करेगा भारत

मुम्बई। भारत अगले साल की शुरुआत में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप मैचों की मेजबानी करेगा। ये मैच सात-आठ फरवरी को बेंगलुरु में खेले जाएंगे। डेविस कप की मेजबानी में बेंगलुरु के अलावा दिल्ली भी शामिल थी पर अंत में बेंगलुरु को मेजबानी मिली। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में रुचि दिखाई थी। बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी। वहीं कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी। तब भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफाइंग चरण में प्रवेश किया था जबकि नीदरलैंड को दूसरे दौर में अर्जेंटीना के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। यह 1993 के बाद यूरोपीय धरती पर भारत की पहली जीत थी। तब सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश के नेतृत्व में भारत को जीत मिली थी।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025: सिमरनप्रीत कौर ने गोल्ड मेडल जीता, मनु भाकर पदक से चूकी

दोहा [क़तर] (एजेंसी)। भारतीय शूटर सिमरनप्रीत कौर ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 25 मीटर पिस्टल इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया और जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबरी की। वहीं, ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर इस बार पदक जीतने में सफल नहीं रही।

सिमरनप्रीत की ऐतिहासिक जीत

21 वर्षीय सिमरनप्रीत ने फाइनल में 41/50 का स्कोर बनाते हुए विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनका यह स्कोर दक्षिण कोरिया की पेरिस 2024 ओलिंपिक चैंपियन यांग जी-इन के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबर है। चीन की याओ चियान्शुन ने 36/50 के साथ सिल्वर मेडल और जर्मनी की डॉरेन वेनेकंप ने 30/45 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह सिमरनप्रीत का द्धस्स्न्न वर्ल्ड कप फाइनल में पहला पदक है, जिससे वह विश्व की शीर्ष युवा शूटिंग प्रतिभाओं में शामिल हो गई हैं।

मनु भाकर का निराशाजनक प्रदर्शन

वहीं, मनु भाकर इस बार निराशा में रही। उन्होंने महिला 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन राउंड में नौवां स्थान प्राप्त किया और फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। इससे पहले, उन्होंने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पांचवां स्थान हासिल किया था, जिससे उनका दोहा अभियान बिना पदक के समाप्त हुआ।

पुरुषों में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर का सिल्वर

पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन इवेंट में ओलिंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने चेक शूटर जीरी प्रिव्रात्सकी के 414.2 वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर से केवल 0.9 अंकों से पिछड़कर यह पदक हासिल किया। चीन के पेरिस 2024 गोल्ड मेडलिस्ट लियू युकुन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल की विशेषताएं

दोहा मीट ने 2025 आईएसएसएफ सीज़न का समापन किया। इस फाइनल में कुल 10 शूटरों ने भाग लिया, जिनमें क्वालिफिकेशन के आधार पर चयनित खिलाड़ी शामिल हैं। डिफेंडिंग चैंपियन अपने आप क्वालीफाई होते हैं, जबकि चार वर्ल्ड कप स्टेज के विजेताओं को सीधे जगह मिलती है। शेष पांच स्थानों में दो खिलाड़ी वर्ल्ड कप रैंकिंग और तीन आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेताओं के आधार पर चुने गए। इस फाइनल में केवल व्यक्तिगत 12 ओलिंपिक शूटिंग इवेंट (राइफल, पिस्टल और शॉटगन) आयोजित किए गए, टीम इवेंट शामिल नहीं थे।

नवंबर में मोटर वाहन बिक्री बढ़ी, यात्री और वाणिज्यिक वाहनों की मांग मजबूत

- नवंबर में कुल बिक्री 33,00,832 इकाइयां, पिछले वर्ष की 32,31,526 इकाइयों की तुलना में 2 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

त्योहारों के बाद भी मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही। एक ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार नवंबर 2025 में कुल बिक्री 33,00,832 इकाइयां, पिछले वर्ष की 32,31,526 इकाइयों की तुलना में 2 फीसदी बढ़ी। इस वृद्धि का मुख्य कारण यात्री वाहन, तिपहिया वाहन, वाणिज्यिक वाहन और ट्रैक्टर की मजबूत मांग रही। नवंबर में यात्री वाहनों का पंजीकरण 3,94,152 इकाई रहा, जो सालाना आधार पर 20 फीसदी अधिक है। जीएसटी में कटौती, विवाह सीजन की मांग, लोकप्रिय मॉडलों की बेहतर उपलब्धता और कॉम्पैक्ट एसयूवी की निरंतर मांग ने इस वृद्धि को बल दिया। दोपहिया वाहनों की बिक्री 25,46,184 इकाई रही, जो पिछले साल की तुलना में 3 फीसदी कम है। वाहन स्टॉक का समय घटकर 44-46 दिन रह गया, जो बेहतर मांग-आपूर्ति संतुलन को दर्शाता है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 94,935 इकाई रही, सालाना आधार पर 20 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, माल ढुलाई, सरकारी निविदाओं और जीएसटी सुधारों ने इस वृद्धि में योगदान दिया। तिपहिया वाहनों की बिक्री 1,33,951 इकाई रही, जिसमें 24 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। ट्रैक्टर पंजीकरण 1,26,033 इकाई पर पहुंचा, जो पिछले साल की तुलना में 57 फीसदी अधिक है। मजबूत ग्रामीण आय और फसल से जुड़ी मांग ने इसे बढ़ावा दिया। ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार अगले तीन महीनों के लिए बिक्री परिदृश्य सकारात्मक है। जनवरी में मूल्य वृद्धि, नए मॉडलों की पेशकश और ग्रामीण मांग के कारण बिक्री में और बढ़ोतरी की संभावना है। 74 फीसदी डीलरों को सभी क्षेत्रों में वृद्धि की उम्मीद है।

कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट नीतिगत दर में कटौती से उत्साहित

- पीएफसी-सिडबी बॉन्ड मार्केट में उतारेंगे 11,500 करोड़ के इश्यू

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती की है। इससे बैंकों के लिए उधार सस्ता हुआ और बाजार में नकदी की उपलब्धता बढ़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट को मजबूती देने के लिए सकारात्मक संकेत है। सरकारी वित्तीय संस्थाएं, पीएफसी और` सिडबी मंगलवार को बॉन्ड मार्केट से कुल 11,500 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही हैं। इससे निवेशकों के बीच दीर्घकालिक बॉन्ड में रुचि बढ़ने की संभावना है। हालांकि, पहले उच्च यील्ड के कारण पीएफसी ने 25 नवंबर को 3 वर्षीय बॉन्ड जारी करने का निर्णय वापस ले लिया था। नीतिगत घोषणाओं के बाद बाजार की धारणा में सुधार आया है। आरबीआई की ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) और रुपये-अमेरिकी डॉलर स्वैप से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है कि नकदी की स्थिति अनुकूल रहेगी। कई फंड और संस्थाएं तत्काल निवेश नहीं कर रही हैं। उनका ध्यान

लंबी अवधि के निर्गमों पर है, ताकि भविष्य निधि और पेंशन फंड से राशि आकर्षित की जा सके। बड़े फंड पहले से पूंजी लगाने को प्राथमिकता देते हैं ताकि नियामक और परिसंपत्ति आवंटन आवश्यकताएं पूरी हों। अक्टूबर में कंपनियों ने कॉरपोरेट बॉन्ड के जरिए 17,500 करोड़ रुपये जुटाए थे। भारती टेलीकॉम ने दो खंडों में 10,500 करोड़ रुपये जुटाए। यह दिखाता है कि बॉन्ड बाजार में निवेशकों की रुचि लगातार बनी हुई है।

चीन का निर्यात नवंबर में 5.9 प्रतिशत बढ़ा

- अमेरिका के निर्यात में 29 प्रतिशत की गिरावट

हांगकांग ।

चीन के निर्यात ने नवंबर 2025 में 5.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की और कुल 330.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह अक्टूबर में 1.1 फीसदी गिरावट के बाद सुधार को दर्शाता है और अर्थशास्त्रियों के अनुमानों से बेहतर रहा। चीन के अन्य प्रमुख बाजार जैसे दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लातिन अमेरिका में निर्यात में बढ़ोतरी हुई, जबकि अमेरिका की ओर निर्यात में लगातार आठवें महीने दोहरे अंकों की गिरावट के साथ लगभग 29 फीसदी की कमी देखी गई। नवंबर में आयात में 1.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो अक्टूबर की एक फीसदी वृद्धि से बेहतर रही। हालांकि संपत्ति क्षेत्र की मंदी अब भी उपभोक्ता खर्च और व्यावसायिक निवेश पर दबाव डाल रही है। फैक्ट्री गतिविधियां लगातार आठवें महीने घट रही हैं, जिससे संकेत मिलता है कि उद्योग क्षेत्र में कमजोरी बनी हुई है। अक्टूबर के अंत में हुई बैठक में अमेरिका और चीन ने एक साल के लिए व्यापार युद्ध विराम पर सहमति बनाई। अमेरिका ने शुल्क कम किए और चीन ने दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियंत्रण समाप्त करने का वादा किया। विशेषज्ञों का कहना है कि यह निर्यात के लिए अस्थायी सकारात्मक संकेत है, लेकिन दीर्घकालिक प्रभाव अभी स्पष्ट नहीं है। चीन के निर्यात की मजबूती से अर्थशास्त्री मानते हैं कि देश इस वर्ष लगभग 5 फीसदी आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य पूरा कर लेगा। मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2030 तक चीन की वैश्विक निर्यात में हिस्सेदारी 16.5 फीसदी तक पहुंच जाएगी। यह वृद्धि मुख्य रूप से उन्नत विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन, रोबोटिक्स और बैटरी जैसे उच्च-विकासशील क्षेत्रों में होगी।

एनएसई ने एफएंडओ मार्केट में पहली बार प्री-ओपन सेशन शुरू किया

8 दिसंबर 2025 से लागू नई व्यवस्था में 15 मिनट का प्री-ओपन

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने सोमवार 8 दिसंबर से फ्यूचर्स और ऑप्शंस (एफएंडओ) मार्केट में पहली बार प्री-ओपन सेशन शुरू कर दिया है। यह कदम भारतीय डेरिवेटिव मार्केट की संरचना में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। एक्सचेंज का मानना है कि इससे कीमत तय करने की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी, लिक्विडिटी बढ़ेगी और मार्केट ओपन होते ही आने वाले तेज उतार-चढ़ाव में कमी आएगी। यह प्रणाली कैश मार्केट में चल रहे प्री-ओपन सेशन की तर्ज पर बनाई गई है। नया प्री-ओपन सेशन सुबह 9:00 बजे से 9:07/9:08 बजे तक चलेगा। इस दौरान निवेशक अपने ऑर्डर डाल सकते हैं, उन्हें बदल सकते हैं या आवश्यकता होने पर रद्द भी कर सकते हैं। यह सेशन 9:07 से 9:08 के बीच किसी भी समय समाप्त हो सकता है। विशेष रूप से निवेशक मार्केट और लिमिट दोनों तरह के ऑर्डर दे सकेंगे, लेकिन **स्टॉप लॉस और आईओसी ऑर्डर को अनुमति नहीं होगी। शुरुआत में यह प्रणाली केवल करेंट-मंथ फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स* पर लागू होगी, जबकि महीने के अंतिम पांच दिनों में नेक्स्ट-मंथ कॉन्ट्रैक्ट् भी इसमें शामिल हो जाएंगे। ऑर्डर एंट्री समय समाप्त होने के बाद 9:08 से 9:12 बजे तक एनएसई ऑर्डर मैचिंग प्रक्रिया चलाएगा। पहले लिमिट ऑर्डर आपस में मिलाए जाएंगे, उसके बाद बची हुई लिमिट ऑर्डर मार्केट ऑर्डर से मैच होंगी। अंत में मार्केट ऑर्डर एक-दूसरे से मिलाए जाएंगे। इस प्रक्रिया के बाद जो कीमत निकलती है और जिस स्तर पर सर्वाधिक खरीद-बिक्री संभव होती है, उसे इक्विलिब्रियम प्राइस कहा जाता है। यही बाजार की ओपनिंग प्राइस बनेगी।

वोडाफोन आइडिया ने एजीआर बकाया में छूट और पुनर्गणना का प्रस्ताव दिया

कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी

नई दिल्ली ।

पिछले कई वर्षों से वित्तीय संकट झेल रही निजी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने दूरसंचार विभाग को प्रस्ताव सौंपा है। कंपनी ने एजीआर (एडजस्टड ग्रास रेवेन्यू) बकाया की पुनर्गणना करने और जुर्माने तथा ब्याज पर एकमुश्त छूट देने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव में बकाया राशि की गणना में मौजूद अंकगणितीय त्रुटियों और दोहराव को हटाकर इसे समायोजित करने का प्रस्ताव है। सूत्रों के अनुसार इससे बकाया राशि करीब आधी हो सकती है, जिससे कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी।

वित्त वर्ष 2017 तक वीआई की एजीआर देनदारी 58,254 करोड़ रुपये थी। इसमें मूल राशि 12,797 करोड़, ब्याज 28,294 करोड़, जुर्माना 6,012 करोड़ और जुर्माने पर ब्याज 11,151 करोड़ शामिल थे। मार्च 2025 तक कुल देनदारी बढ़कर 83,400 करोड़ रुपये हो गई है, जिसमें वित्त वर्ष 2019 तक के लाइसेंस शुल्क के 9,450 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। कंपनी की 25,000 करोड़ रुपये की फंडिंग प्रक्रिया, 50,000-55,000 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय योजना का हिस्सा है। यह निवेश वीआई को 5जी सेवाओं के लिए प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद करेगा। सूत्रों ने बताया कि सर्कल स्तर पर एजीआर की पुनर्गणना प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

यह प्रस्ताव सितंबर में सर्वोच्च न्यायालय में पेश संशोधित याचिका के अनुरूप है, जिसमें वीआई ने कहा था कि बकाया राशि के कई घटक अंतिम रूप नहीं दिए गए थे।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2017 तक अपने एजीआर बकाया की व्यापक पुनर्गणना और देनदारियों की पुनर्मूल्यांकन की मांग की है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी का आईपीओ 12 को खुलेगा

नई दिल्ली । आईसीआईसीआई बैंक की अनुषंगी कंपनी, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (ने अपने आगामी आईपीओ के लिए 2,061 से 2,165 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का अनुमानित मूल्यांकन 1.07 लाख करोड़ रुपए (लगभग 11.86 अरब डॉलर) हो गया है। कंपनी का आईपीओ 12 दिसंबर से 16 दिसंबर तक खुलेगा। बड़े (एंकर) निवेशक 11 दिसंबर से बोली लगा सकते हैं। यह आईपीओ पूरी तरह प्रवर्तक द्वारा 4.89 करोड़ से अधिक शेयरों की ऑफर फॉर सेल पर आधारित है। निवेशक इस अवसर के माध्यम से सीधे प्रवर्तक से शेयर खरीद सकेंगे। कंपनी के शेयर 19 दिसंबर को स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध हो सकते हैं।

इंडिगो के शेयर में भारी गिरावट, एक दिन में 13,774 करोड़ का नुकसान

- कंपनी का मार्केट कैप घटकर 1,93,875.18 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । इंडिगो एयरलाइंस की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के निवेशकों के लिए सोमवार, 8 दिसंबर का दिन मुश्किल भरा रहा। बाजार खुलते ही कंपनी के शेयरों में तेज दबाव आया और बीएसई पर स्टॉक लगभग 7 फीसदी गिरकर 5,015 के इंट्राडे लो पर पहुंच गया। शुक्रवार तक कंपनी का मार्केट कैप 2,07,649.40 करोड़ था, जो सोमवार को घटकर 1,93,875.18 करोड़ रुपए रह गया। निवेशकों को एक दिन में 13,774.22 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा। शेयरों में गिरावट उस समय आई जब डीजीसीए के सीईओ पीटर एल्बर्स को कारण बताओ नोटिस के जवाब की समयसीमा एक दिन बढ़ाई। एयरलाइन से पूछा गया कि हजारों यात्रियों को प्रभावित करने वाली उड़ानों में देरी और रद्दीकरण क्यों हुआ। डीजीसीए ने बताया कि यह संकट नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने में इंडिगो की कमजोर तैयारी के कारण उत्पन्न हुआ। एक ही दिन में 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं, जो भारतीय एविएशन इतिहास में किसी भी एयरलाइन द्वारा एक दिन में सबसे ज्यादा कैंसिलेशन है।

अदाणी ग्रीन ने टीएनएफडी ढांचे को अपनाया

नई दिल्ली । अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीएल) ने प्रकृति-संबंधी वित्तीय प्रकटीकरण (टीएनएफडी) ढांचे को अपनी मुख्य स्थिरता रणनीति में शामिल किया है। यह वैश्विक, विज्ञान-आधारित ढांचा कंपनियों को प्रकृति-संबंधी जोखिम और अवसरों की पहचान, प्रबंधन और प्रकटीकरण में मदद करता है। कंपनी ने इंडिया बिजनेस बायोडायवर्सिटी इनीशिएटिव (आईबीबीआई) पर हस्ताक्षर किए हैं। एजीएल ने 2030 तक जैव विविधता में 'नो नेट लॉस' सुनिश्चित करने और परियोजना स्थलों पर 2.786 करोड़ पेड़ लगाने की योजना बनाई है। एजीएल के पास वर्तमान में 16.5 गीगावाट से अधिक की क्षमता है, जो भारत में सबसे बड़ी है और 12 राज्यों में फैली है। कंपनी का लक्ष्य है 2030 तक 50 गीगावाट क्षमता हासिल करना। एजीएल के सीईओ आशीष खन्ना ने कहा कि प्रकृति कंपनी की वृद्धि का केंद्र है और टीएनएफडी अपनाकर नवीकरणीय ऊर्जा और मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र के अवसरों की पहचान हो रही है।

एचडी ह्युंडै तूतीकोरिन में 2 अरब डॉलर के निवेश से शिपयार्ड स्थापित करेगी

परियोजना से अनुमानित 55,000 रोजगार के मिलेंगे अवसर

नई दिल्ली ।

दक्षिण कोरियाई जहाज निर्माण कंपनी एचडी ह्युंडै की प्रमुख इकाई एचडी कोरिया शिपबिल्डिंग एंड ऑफशोर इंजीनियरिंग (एचडी केएसओई) तमिलनाडु के तूतीकोरिन में नया शिपयार्ड स्थापित करने की तैयारी कर रही है। इस परियोजना में करीब 2 अरब डॉलर का निवेश होने का अनुमान है। प्रारंभ में इसे शिपबिल्डिंग मेक इन इंडिया टुगेदर विद ह्युंडै के रूप में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन अब इसे शिपबिल्डिंग मेक इन तमिलनाडु विद ह्युंडै कहा जा रहा है। तमिलनाडु सरकार ने इस निर्णय का स्वागत किया है। उद्योग मंत्री टीआरबी राजा के अनुसार तूतीकोरिन में शिपयार्ड के लिए विश्वस्तरीय जलवायु और भौगोलिक स्थिति है। राज्य ने स्पष्ट नीतिगत ढांचा, तेज समन्वय, और मजबूत तटीय वातावरण होने के कारण एचडी हुंडै का भरोसा जीत लिया। परियोजना के लिए व्यवहार्य स्थलों की पहचान और उन्हें प्रतिभा, बुनियादी ढांचा और प्रोत्साहन के साथ समर्थन भी प्रदान किया गया है। जहाज निर्माण श्रम-सघन उद्योग है और इससे कई सहायक क्षेत्रों को लाभ होता है। एक प्रत्यक्ष नौकरी से लगभग छह अप्रत्यक्ष नौकरियां बनती हैं। इस परियोजना से अनुमानित 55,000 रोजगार सृजित होंगे। इसके अलावा, कोचीन शिपयार्ड और मझगांव डॉक भी तूतीकोरिन में अलग-अलग परियोजनाओं के तहत निवेश कर रहे हैं, जिनका कुल मूल्य 30,000 करोड़ रुपये है। राज्य शिपयार्ड विकास को प्राथमिकता दे रहा है ताकि तटीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा, निवेश आकर्षित और प्रतिभा तैयार की जा सके। पिछले चार वर्षों में राज्य में लगभग 2.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ और 10 लाख से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं।

शेयर बाजार गिराट के साथ बंद

सेंसेक्स 609 अंक , निफ्टी 225 अंक फिसला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया है। दिन भर के के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 609.68 अंक टूटकर 85,102.69 पर वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 225.90 अंक फिसलकर 25,960.55 पर बंद हुआ। सभी सूचकांक आज नुकसान के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी रियल्टी , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसई और निफ्टी मेटल सबसे ज्यादा गिरे। वहीं सेंसेक्स पैक में बीईएल, , ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, एसबीआई, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा के शेयर गिरे। टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयरों को लाभ हुआ है। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक 1,106.50 अंक बढ़कर 59,488.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक 456.10 अंक टूटकर 17,051.65 पर था।

शेयर बाजार में गिरावट का कारण दुनिया भर से मिले कमजोर संकेत बताय गये हैं । वहीं आने वाले समय में निवेशकों की निगाहें अमेरिकी फेड के परिणामों पर रहेंगी।

इससे पहले आज सुबह घरेलू बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स पिछले सत्र की तुलना में 109 अंक नीचे खेला। वहीं निफ्टी भी 26,153 के स्तर पर मामूली कमजोरी के साथ खुला। हालांकि शुरुआती घंटे में बाजार में कुछ स्थिरता दिखी, लेकिन इसके बाद करीब बिकवाली तेज हो गई, जिससे प्रमुख सूचकांकों पर दबाव बढ़ा।

एशियाई बाजार में आज मिले-जुले रुझान दिखे। चीन का सीएसई 300 0.48 फीसदी बढ़ा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.07 फीसदी गिरा। निवेशक चीन के नवंबर के व्यापार आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। जापान का निक्केई 0.32 फीसदी नीचे गया क्योंकि तीसरी तिमाही में जीडीपी में गिरावट शुरुआती अनुमान से ज्यादा रही। अमेरिकी बाजार अमेरिकी शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी रही। डाउ जोंस 0.22 फीसदी, एसएंडपी 500 0.19 फीसदी और नैस्डैक 0.31 फीसदी ऊपर बंद हुआ।

स्वास्थ्य उद्योग ने पान मसाला उत्पादन पर उपकर का किया स्वागत

विधेयक का लक्ष्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना

नई दिल्ली । नई संसद में पारित स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 का लक्ष्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना है। इस विधेयक के तहत विशेष रूप से पान मसाला जैसे अस्वास्थ्यकर उत्पादों के विनिर्माण या उत्पादन पर उपकर लगाया जाएगा। उद्योग विशेषज्ञों ने इसे प्रगतिशील कदम करार दिया है, क्योंकि इससे अस्वास्थ्यकर उत्पादों से होने वाले लाभ को सार्वजनिक स्वास्थ्य में निवेश के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा। विशेष बात यह है कि यह उपकर उत्पाद की वास्तविक मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादन क्षमता पर आधारित होगा। इसमें मशीनों की प्रकार, गति, भार उठाने की क्षमता और मैनुअल प्रक्रियाओं की प्रकृति शामिल होगी। इसका मतलब यह है कि चाहे उत्पादन मशीनों या हाथों से हो, दोनों पर उपकर लागू होगा। विनिर्माताओं को मासिक रिटर्न दाखिल करना होगा और हर महीने की 7 तारीख तक उपकर का भुगतान करना अनिवार्य होगा। उद्योग को अपनी मशीनरी और मैनुअल प्रक्रियाओं की पूरी घोषणा करनी होगी। उद्योग और विशेषज्ञों ने कहा कि यह कदम अस्वस्थ उत्पादों से होने वाले लाभ को स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में निवेश करने की दिशा में समय की आवश्यकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नीतिगत बदलाव राष्ट्रीय सुरक्षा के बराबर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने का संकेत देता है। इस विधेयक से भारत को गैर-संचारी रोगों, संक्रामक रोगों और मातृ-शिशु स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए वित्तीय संसाधन सुनिश्चित होंगे। विशेषज्ञ इसे स्वास्थ्य और सुरक्षा को जोड़ने वाले क्रांतिकारी कदम मान रहे हैं।

रुपये में जारी गिरावट को रोकने ....आरबीआई ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक बड़ा फैसला लिया है, जो रुपये में गिरावट को कम कर सकता है और फिर को फिर ऊपर ला सकता है। यह फैसला तब लिया गया है, जब रुपया 90 के ऊपर चला गया था। हालांकि अभी इसमें कुछ तेजी आई है।

दरअसल, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एमपीसी बैठक में लिए गए फैसले के बारे में बताया। इसमें 25 आधार अंकों की ब्याज दर में कटौती करने का भी ऐलान किया, लेकिन इसके साथ ही लिक्विडिटी बढ़ाने पर भी फैसला लिया। आरबीआई ने दिसंबर में 1 लाख करोड़ रुपये की ओपेन मार्केट में खरीदारी, और 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अदला-बदली का ऐलान किया।

ओपेन मार्केट से की जाने वाली इन दो बड़ी खरीदों का उद्देश्य बैंकिंग सिस्टम में कैश की मात्रा को बढ़ाना है। जब आरबीआई सरकारी बॉन्ड खरीदता है, तब वह बैंकों को एडवांस पेमेंट करता है और सीधे सिस्टम में पैसा आता है। इससे करेंसी मार्केट में दरें आसान होती है और किसी भी तरह की लिक्विडिटी संकट कम आती है। लिक्विडिटी की कमी अक्सर रुपये पर दबाव बढ़ा देती है, क्योंकि विदेशी निवेशक शॉर्ट टर्म फंडिंग की स्थिति में सतर्क हो जाते है। 1 लाख करोड़ रुपये का ओएमओ आरबीआई का यह संकेत देने का तरीका है कि फंडिंग का मार्केट सही तरह से चलता रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक जानकार ने कहा कि ओएमओ और स्वैप मिलकर जीडीपी वृद्धि के संशोधित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक तरलता प्रदान करेंगे और महंगाई या करेंसी की चाल पर चिंता के बजाय पॉजिटिव और आशा से प्रेरित नजरिए को उभारने वाले है। 5 अरब अमेरिकी डॉलर का स्वैप करेंसी के ज्यादा करीब काम करता है। अभी डॉलर खरीदकर और बाद में उन्हें वापस बेचने का वादा करके, आरबीआई अपने भंडार को स्थायी रूप से कम किए बिना, सिस्टम में रुपया जारी करता है। यह स्वैप तत्काल लिक्विडिटी पेश करता है और मार्केट को यह विश्वास दिलाता है कि आरबीआई तेज उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए तैयार है।

रुपये के नए निचले स्तर पर पहुंचने के बावजूद आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कटौती की इच्छा ने कुछ जानकारों को चौंका दिया है, लेकिन कुछ जानकार एक संदेश के तौर पर देख रहे हैं। आरबीआई के इस रुख से पता चलता है कि रुपये में हालिया गिरावट ज्यादा बढ़ गई है और करेंसी में मौजूदा स्तरों पर कमतर आंकी गई है। उनका कहना है कि आरबीआई की भाष से यह विश्वास झलकता है कि महंगाई अनुकूल रहने पर रुपया स्थिर हो सकता है। एक्सपर्ट ने कहा कि लिक्विडिटी का सपोर्ट रुपये को सीधे तौर पर ऊपर नहीं उठाता, यह केवल एक अनियंत्रित गिरावट को रोक सकता है। जब फंडिंग की स्थिति सही होगी और ग्रोथ को सपोर्ट मिल रहा हो, तब विदेशी निवेशकों के अचान बाह निकलने की संभावना कम होती है। इससे अस्थिरता कम होती है और उम्मीदें स्थिर रहती हैं।

पुराने नामों से नई पहचान: ऑटो कंपनियों की रणनीति रंग ला रही

नई दिल्ली ।

भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियां पुराने और प्रसिद्ध ब्रांड नामों का इस्तेमाल करके ग्राहकों का ध्यान खींच रही हैं। नए मॉडल्स की भीड़ में यह रणनीति कंपनियों को अलग पहचान बनाने और पुराने ग्राहकों की भावनाओं से जुड़ने में मदद करती है। आईसीआरए के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पुराने ब्रांड्स में पहले से भरोसा और पहचान मौजूद होती है, इसलिए नए मॉडल जल्दी अपनाए जाते हैं और मार्केटिंग खर्च भी कम होता है। टाटा मोटर्स ने लगभग तीन दशक बाद सिएरा को वापस लाया और 2021 में सफारी को रिवाइवल किया। मारुति सुजुकी ने 2015 में बालेनो को प्रीमियम हैचबैक के रूप में लॉन्च किया। हुंडै ने 2018 में सेंट्रो को पुन: पेश किया, जबकि महिंद्रा ने 2022 में स्कॉर्पियो-एन और स्कॉर्पियो क्लासिक लॉन्च किया। अन्य उदाहरणों में मारुति ग्रैंड विटारा और महिंद्रा बोलेरो नियो शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार पुराने नाम में भरोसा और पहचान होती है, लेकिन डिज़ाइन और फीचर्स सही न हों तो सफलता नहीं मिलती। पुराने नाम के साथ आधुनिक इंजीनियरिंग जोड़कर कंपनियां पुराने और नए दोनों ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं।

मस्ती 4 फिल्म का हिस्सा बनने से पहले काफी सोच-विचार किया था

आज के दौर में फिल्मों और वेब सीरीज में बोल्ड कंटेंट को लेकर दर्शकों की राय पहले से कहीं ज्यादा बंटी हुई है। छोटे से छोटे सीन या डायलॉग्स भी अक्सर बड़े विवाद का कारण बन जाते हैं। इसी माहौल में जब कोई कलाकार एडल्ट-कॉमेडी जैसी संवेदनशील शैली में कदम रखने का फैसला करता है, तो यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। इसी तरह का अनुभव अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने भी किया। उन्होंने मस्ती 4 जैसी बोल्ड कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनने से पहले काफी सोच-विचार किया था। इंटरव्यू में एलनाज नोरौजी ने कहा, मस्ती 4 में काम करने को लेकर मैं शुरू में काफी झिझक रही थी। आज के समय में दर्शक जिस तरह से बोल्ड कॉमेडी पर प्रतिक्रिया देते हैं, उससे कलाकारों पर ज्यादा दबाव बन जाता है। मुझे डर था कि कहीं मेरी छवि पर इसका गलत असर न पड़े। लेकिन, जैसे-जैसे फिल्म की कहानी पढ़ी, मेरा नजरिया बदलता गया।

उन्होंने कहा, इस बार की कहानी सिर्फ पहले वाली फिल्मों की तरह चुटकुलों और मजाक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कुछ नया, अलग और ज्यादा मनोरंजक जोड़ने की कोशिश की गई है। इस खासियत के चलते मैंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, इस फिल्म ने मुझे अपने अभिनय का एक अलग पहलू पर्दे पर दिखाने का मौका दिया। एक कलाकार के रूप में मैं हमेशा से चाहती हूं कि दर्शक मुझे केवल एक ही तरह के किरदारों में सीमित न देखें। इस फिल्म में बिंदिया का रोल मेरी एक्टिंग रेंज को सामने लाने का मौका था, और इसलिए मैंने इसे स्वीकार किया। मस्ती 4 एक एडल्ट-कॉमेडी फिल्म है, जिसे मिलाप मिलन जावेरी ने निर्देशित किया है। यह मशहूर मस्ती फिल्म सीरीज का चौथा भाग है। फिल्म में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी पहले की तरह लीड रोल में नजर आ रहे हैं। मस्ती 4 सिनेमाघरों पर 21 नवंबर को रिलीज हो चुकी है।

क्या दीपिका पादुकोण के बाद प्रियंका चोपड़ा भी होंगी कल्कि 2898 एडी 2 से बाहर?

प्रियंका ने भी रखी शर्त

साल 2024 में दीपिका पादुकोण फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आई थीं। इस फिल्म का सीक्वल बन रहा है। इसमें भी दीपिका नजर आने वाली थीं, मगर उन्होंने फिल्म छोड़ दी। दीपिका के फिल्म का हिस्सा न होने की बात का एलान मेकर्स ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करके किया था।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दीपिका ने फीस में इजाफा किया था और साथ ही आठ घंटे शिफ्ट की डिमांड रखी थी, जिस पर मेकर्स के साथ सहमति नहीं बनी। बीते दिनों खबर आई कि दीपिका की जगह प्रियंका चोपड़ा फिल्म का हिस्सा बनेंगी। मगर, देसी गर्ल को साइन करना मेकर्स के लिए आसान नहीं है।

क्या दीपिका को रिप्लेस करेंगी प्रियंका चोपड़ा?

एक तरफ खबरें चल रही हैं कि कल्कि 2 में प्रियंका चोपड़ा ने दीपिका पादुकोण को रिप्लेस कर दिया है। वहीं, अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा की एंट्री मुश्किल लग रही है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के लिए प्रियंका चोपड़ा से बातचीत चल रही है। हालांकि, मेकर्स को वैसी ही मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, जिनकी वजह से दीपिका पादुकोण ने फिल्म छोड़ी थी। खबर है कि एक्ट्रेस ने दीपिका जितनी ही फीस मांगी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा के अलावा इस फिल्म में दीपिका पादुकोण की जगह लेने के लिए और भी फीमेल स्टार्स रेस में हैं। इस रोल के लिए आलिया भट्ट और साई पल्लवी जैसी एक्ट्रेस के नाम पर भी विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ऐसी एक्ट्रेस को लेना चाहते हैं जो स्टार पावर के मामले में प्रभास के बराबर हो। मालूम हो कि फिल्म से दीपिका के बाहर होने की ऑफिशियल घोषणा कल्कि 2 के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट से की थी। पोस्ट में लिखा था, यह ऑफिशियली घोषणा है कि दीपिका कल्कि 2898 एडी के आने वाले सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। बहुत सोच-विचार के बाद हमने अलग होने का फैसला किया है। हम उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

प्रियंका ने रखी हैं ये डिमांड

इसके अलावा प्रियंका चोपड़ा ने काम के घंटों में फ्लेक्सिबिलिटी की डिमांड भी रखी है। एक सोर्स ने वेबसाइट को बताया, प्रियंका चोपड़ा ने अपने टाइम और शेड्यूल में फ्लेक्सिबिलिटी की डिमांड रखी है, ताकि वे अपनी बेटी मालती को वक्त दे सकें। हालांकि, यह कोई मुश्किल बात नहीं है, क्योंकि प्रियंका अपनी बेटी के साथ लोकेशन पर ट्रैवल करने के लिए तैयार हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि प्रियंका चोपड़ा के साथ मेकर्स की बातचीत बन पाती है या देसी गर्ल भी इस फिल्म को छोड़ देंगी।

राहु केतु को लेकर बेहद उत्साहित हैं पुलकित सम्राट

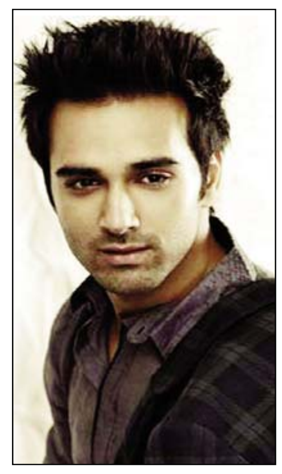

अगले वर्ष की शुरुआत में ही अपनी फिल्म राहु केतु से सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे पुलकित सम्राट फिलहाल अपनी पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि यह फिल्म सिर्फ उनके करियर की पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म नहीं, बल्कि एक ऐसा मुक़ाम है, जिसका इंतज़ार उन्हें बचपन से था। अपनी कल्पनाशक्ति को आकार देने वाले बचपन की यादों को साझा करते हुए पुलकित ने कहा, राहु केतु को लेकर मैं बहुत एक्साइटेड हूँ, क्योंकि यह मेरी पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म है। मैं सच में अजूबा, छोटा चेतन जैसी फ़िल्में देखकर बड़ा हुआ हूँ, और आज जब मैं खुद ऐसी फ़िल्म का हिस्सा बना हूँ तो मेरे लिए यह सबसे रोमांचकारी है। मुझे ऐसा लग रहा है, मेरा सफ़र पूरा घेरा बनाकर वापस उसी जादुई दुनिया में लौट आया है। गौरतलब है कि रोमांच, भव्यता और इमोशन से भरपूर पुलकित की आने वाली फ़िल्म राहु केतु भी कुछ उसी तरह की फ़ैंटेसी स्पेस को एक्सप्लोर करती है, जैसा हममें से कई लोगों ने अपने बचपन में देखी होगी। हालांकि फ़िल्म से जुड़ी अधिकतर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन पुलकित का उत्साह इस बात का संकेत है कि दर्शकों को उनसे कुछ नया और ताज़ा देखने को मिलेगा, तो तैयार रहिए पुलकित के साथ अपने भी बचपन की कल्पनाओं को आधुनिक फ़िल्ममेकिंग के अंदाज़ में साकार होते हुए।

तलाक के सवाल पर दिव्या खोसला ने दिया जवाब

अभिनेत्री दिव्या खोसला ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आस्क मी एनीथिंग सेशन शुरू किया। सेशन में उन्होंने कई यूजर्स के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने लोगों को अपने एक्टिंग के सफर और बॉलीवुड में अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने वीडियो के जरिए यूजर्स के सवालों के जवाब भी दिए। उनके एक जवाब ने लोगों को हैरान कर दिया। एक यूजर ने दिव्या खोसला से पूछा बॉलीवुड में इतनी बेचैनी होने के बावजूद अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल कैसे रख पाती हैं? इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा मैं सोचती हूं कि बॉलीवुड ऐसी जगह है, जहां आपके आस-पास बहुत सारे मगरमच्छ हैं। ऐसे में मैं महसूस करती हूं कि इसके बीच से रास्ता निकालना होगा। मुझे लगता है कि सबसे जरूरी चीज है अपने आप से ईमानदार रहें। एक दूसरे यूजर ने अभिनेत्री से पूछा कौन सी फिल्म है जिसमें काम करते हुए आपको सबसे ज्यादा अच्छा लगा? इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा सवी। इसकी शूटिंग यूके में हुई। -10 डिग्री पर पूरे 42 दिन शूटिंग हुई। इसका प्रोडक्शन बहुत सही था। सवी का अनुभव एक तरफ बाकी मेरी सभी फिल्मों का अनुभव एक तरफ। एक और यूजर ने उनसे पूछा क्या आपका तलाक हो चुका है? इस पर दिव्या ने कहा नहीं। हालांकि लोग यही चाहते हैं। दिव्या खोसला ने साल 2005 में भूषण कुमार से शादी की थी। कुमार फिल्म और म्यूजिक प्रोड्यूसर हैं। हाल ही में दिव्या खोसला फिल्म एक चतुर नार में नजर आईं। इसमें नील नितिन मुकेश भी थे।

ऐतिहासिक किरदार निभाना चाहती हैं कृति खरबंदा

अपनी खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कृति खरबंदा अब ऐसे किरदारों की तलाश में हैं, जो उन्हें एक नए, गहरे स्तर पर चुनौती दें। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि वह आगे किस तरह के रोल या जॉनर एक्सप्लोर करना चाहेंगी, तो उनका जवाब महत्वाकांक्षी होने के साथ-साथ अतीत की मधुर स्मृतियों और परफॉर्मेंस के प्रति जुनून से भरा हुआ था। उन्होंने बताया कि भविष्य में वे ऐतिहासिक ऐपिक फिल्मों जैसे मुगल-ए-आज़म, बाजीराव मस्तानी और राम लीला जैसी कालजयी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहेंगी, जहाँ भव्यता के साथ-साथ इमोशन और दमदार किरदारों की दुनिया हो। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं मुगल-ए-आज़म और बाजीराव मस्तानी जैसी किसी फिल्म में काम करना पसंद करूंगी। हाउसफुल 4 के जरिए मैंने उस दुनिया की थोड़ी झलक देखी थी, लेकिन अब मैं पूरी तरह से ऐसा किरदार निभाना चाहती हूँ, जो ऐतिहासिक हो। गौरतलब है कि कृति के लिए इन विशालकाय फिल्मों का सौंदर्य, उनकी भावनाएँ, शानदार कॉस्ट्यूम, और मजबूत महिला किरदार, सब मिलकर एक एसी दुनिया रचते हैं जिसमें वह बतौर एक्टर अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ा सकें। वे कहती हैं, मेरे लिए ज़्यादा स्क्रीन प्रेज़ेंस से ज़्यादा ज़रूरी है, एक दमदार किरदार। हालांकि मैं अपने पर्सनल पैशन की बात करूं तो मैं मशहूर टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्ज़ा का किरदार निभाना चाहूंगी क्योंकि मैंने अपनी लाइफ का एक बड़ा हिस्सा टेनिस खेलते हुए बिताया है। इसके अलावा इस बायोपिक को करने की एक वजह यह भी है कि मैं सानिया मिर्ज़ा की प्रेरणादायक कहानी से काफी प्रभावित हूँ।

अब थोड़ा उदंड होना है, थोड़ा फिर से मस्ती में जीना है

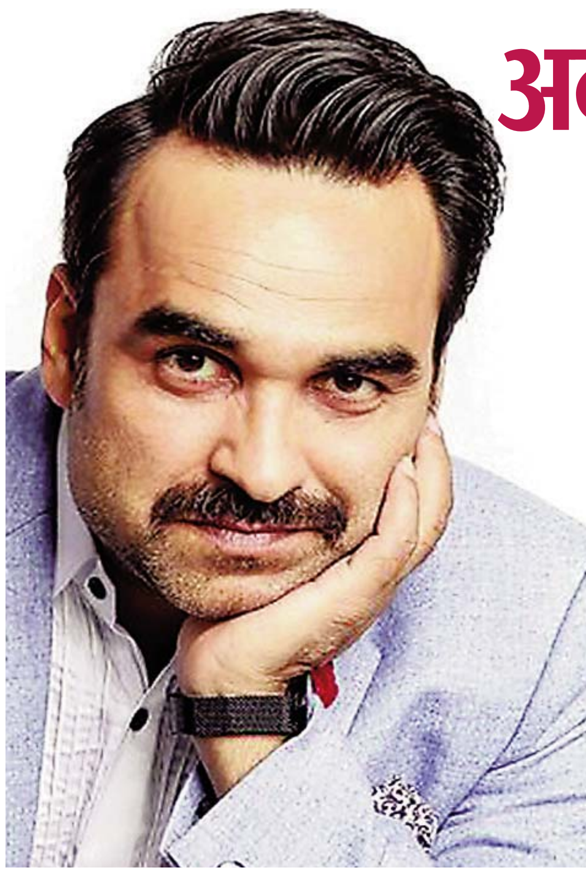

पंकज त्रिपाठी वो एक्टर हैं जिनकी आंखों में अभिनय से ज्यादा अनुभव घुला है। वह कहते हैं कि मैं अभिनय को ध्यान मानता हूं और जीवन को प्रयोग। उन्होंने संघर्ष के दिनों से जो धैर्य सीखा, वो आज भी उनके भीतर स्थिर है। सफलता उन्हें मोहित नहीं करती और असफलता विचलित नहीं करती। वह अपने अभिनय में संवाद से ज्यादा भाव पढ़ते हैं और कहते हैं कि कैमरा झूठ नहीं पकड़ता। अब जब वह बहुत कुछ पा चुके हैं तो 20 साल पहले वाला मस्ती भरा पंकज फिर पाना चाहते हैं, जो दोस्तों को डराने के लिए नींबू-सिंदूर रख आता था। अब उन्हें ना 'सेंस' चाहिए, ना 'गुरुज्ञान'। पंकज कहते हैं कि अब थोड़ा उदंड होना है, थोड़ा फिर से मस्ती में जीना है। खास बातचीत में उन्होंने वही सब बताया, जो इंटरव्यू की तयशुदा लकीरों से बाहर था।

जिंदगी जितनी गहरी, अभिनय उतना सच्चा

पंकज त्रिपाठी बोले, मैंने सात्विक अभिनय करना एनएसडी से सीखा। वहां अपने समकक्षों के साथ रहकर, उनकी ऐक्टिंग देखकर और उनकी थ्योरी समझकर इसे जाना। सात्विक अभिनय नाट्य शास्त्र का हिस्सा है, जिसमें अभिनय को चार वर्गों में बांटा गया है, आंगिक (शारीरिक), वाचिक (वाणी से), अहार्य (मेकअप-कॉस्ट्यूम) और सात्विक (आंतरिक भाव)।

सात्विक अभिनय वह है, जो दिखता नहीं, सिर्फ महसूस होता है और यही सबसे कठिन होता है। ऐसा कहा जाता है कि जैसे क्लासिकल सिंगर 35 की उम्र के बाद निखरता है, वैसे ही सात्विक अभिनय भी उम्र और अनुभव की साधना से आता है। ये केवल एक्टिंग नहीं बल्कि जीवन की समझ से जुड़ा होता है। ऐक्टर की सबसे बड़ी कला उसकी जिंदगी ही होती है। जिंदगी में हर तरह के रस श्रृंगार, हास्य, करुण खुद बनते हैं। ये जीवन में क्रिएट हो रहे हैं और अभिनय में इन्हें रीक्रिएट करना है। अगर रीक्रिएट करना है तो साधना चाहिए, जो निरंतर अभ्यास से आएगी।

धैर्य सबसे बड़ा सबक, बाकी सब बोनस

संघर्ष के दिनों से मुझे सबसे बड़ा सबक मिला धैर्य। यही आज भी मेरे भीतर बसा हुआ है। इससे बड़ा कुछ नहीं। अगर आप अपने रास्ते पर ईमानदारी और जागरूकता के साथ चलते रहो, बिना ज्यादा मांगे या लालसा के तो बहुत कुछ अपने-आप मिलने लगता है, इतना कि जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती है। मैंने यही अनुभव किया। मैं सच्चा था अपनी मेहनत और नीयत के प्रति। कभी किसी का बुरा नहीं चाहा और ना किसी की चमचागिरी की। सच कहूं तो मैंने ऊपरवाले से भी कुछ खास मांगा नहीं था। मैं सिर्फ यही सोचकर आया था कि अच्छा काम करना है। हां, कुछ छोटी भौतिक इच्छाएं थीं जैसे एक छोटा घर हो जाए, एक गाड़ी हो जाए। हालांकि, आज जो कुछ भी हो रहा, वो सब बोनस की तरह है। मेहनत और धैर्य अगर साथ हैं तो जीवन बहुत कुछ दे देता है।

एक ही जीवन है तो प्रयोग भी जरूरी हैं

कभी-कभी सोचता हूं कि क्या ये विनम्रता, यह जीवन-दर्शन मेरे संस्कारों का बोझ तो नहीं बन गए? या क्या ये मेरी खुद की समझ है? जीवन एक ही है तो प्रयोग करना भी जरूरी है। अगर एक अनुभव देख लिया है तो अब थोड़ा उदंड अनुभव भी कर लिया जाए। यहां उदंडता का मतलब है, हर किसी की वेदना खुद में समा लेना। मेरे साथ यही होता है कि मैं स्पंज की तरह औरों का दुख सोख लेता हूं और वही मुझे सबसे ज्यादा तोड़ता है। कल किसी ने मुझसे राजनीति में आने की बात की। मैंने कहा कि मेरी इसमें कोई खास रुचि नहीं है और मैं नहीं जानता कि कल क्या होगा। वो एक आईएएस अधिकारी थे। बोले, 'तुम जैसे लोगों को भगवान ने कुछ सोचकर ही बनाया होगा।' मैं रात को इसी सोच में पड़ गया, वो ऐसा क्यों बोले होंगे?

अब फिर से मस्तीखोर पंकज बनना चाहता हूं

अब मैं चाहता हूं कि फिर से वही पंकज बन जाऊं जो 20 साल पहले था। तब मैं उदंड तो नहीं था लेकिन मस्तीखोर जरूर था। पढ़ाई के दिनों की बात है, एक दोस्त काले जादू से डरता था तो मैं हर दूसरे दिन उसके कमरे के बाहर नींबू, सुई, सिंदूर रख आता था और फिर उसका डर देखता था। वो ड्रामा बड़ा मजेदार होता था। अब सोचता हूं, वो पंकज कहां चला गया? हर जगह कुछ ना कुछ खुराफात करता रहता था। अब मन करता है कि वो पुराना वाला पंकज फिर से लौट आए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादक: जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in